page 1_Layout 1 28-10-2026 22:09 Page 1

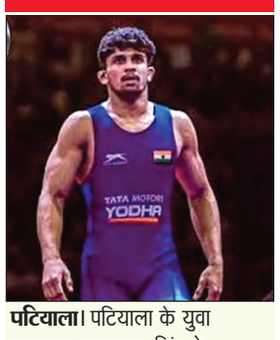


» बरनाला, मोहाली, चंडीगढ़ » वीरवार, 29 अक्तूबर 2026 » वर्ष : 01 अंक :186 » मूल्य : 3 रू. » RNI NO. : PBHIN/26/A2687 » स्थानीय संपादक : हेमंत मित्तल

आज का भारती



पहलवान जसकरण सिंह ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर पंजाब का नाम रोशन किया



पटियाला। पटियाला के युवा पहलवान जसकरण सिंह ने अमेरिका में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर देश और पंजाब का गौरव बढ़ाया। पटियाला पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। घनौर के विधायक गुरलाल सिंह और जिला खेल अधिकारी नवजोत सिंह ढिल्लों ने उन्हें सम्मानित कर बधाई दी। उनकी उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है।

स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनों की भीषण टक्कर, 39 लोगों की मौत

राजधानी मैड्रिड को दक्षिणी अंडालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल सेवा प्रभावित

- सूचना मिलते ही आपातकालीन मेडिकल टीमें और बचाव दल मौके पर पहुंचे

डेली आवाज भारती



स्पेन में बुधवार को दो हाई-स्पीड ट्रेनों के बीच भीषण टक्कर होने की खबर सामने आई है। स्पैनिश मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक, इस हादसे में 39 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना के बाद राजधानी मैड्रिड को दक्षिणी अंडालूसिया क्षेत्र से जोड़ने वाली रेल सेवा प्रभावित हो गई और संबंधित रेल लाइन बंद कर दी गई। हादसे की सूचना मिलते ही आपातकालीन मेडिकल टीमें और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। रेल ऑपरेटर के मुताबिक, दोनों ट्रेनों के बीच पीछे से टक्कर हुई। हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9 बजे होने की जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एक ट्रेन सुबह करीब 8 बजे मैड्रिड से सेविल के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान दूसरी ट्रेन विपरीत दिशा से आ रही थी। रेल नेटवर्क का संचालन करने वाली कंपनी एडिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर दुर्घटना की जानकारी साझा की। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया गया। स्थानीय प्रशासन और मेडिकल टीमें घायलों की देखभाल में जुट गईं।

स्पोर्ट्स हॉल तैयार रखने के निर्देश

टोलेडो के पास स्थित उर्दा शहर के मेयर मैनुअल गालान के मुताबिक, बचाव दल ने घायलों के इलाज और देखभाल के लिए एक स्पोर्ट्स हॉल तैयार रखने को कहा था, ताकि जरूरत पड़ने पर वहां अतिरिक्त व्यवस्था की जा सके। दुर्घटना के बाद मैड्रिड और दक्षिणी अंडालूसिया क्षेत्र के बीच हाई-स्पीड रेल सेवा रोक दी गई। हादसे के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

'चार बड़े राज्यों में मतपत्रों से हुए एमएलसी चुनाव, कांग्रेस कितनी सीटें जीतीं?'

डेली आवाज भारती

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हाल ही में संपन्न विधान परिषद चुनावों में एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की जीत और कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक, इन चार बड़े राज्यों की 28 सीटों पर एमएलसी चुनाव हुए। चुनाव मतपत्रों के माध्यम से हुए। अनुमान लगाइए कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं? प्रधानमंत्री मोदी का यह तंज विपक्ष की उस मांग को लेकर है, जिसमें वो ईवीएम में धांधली और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करता है। बता दें कि 2026 के एमएलसी चुनावों के नतीजे बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र, चार राज्यों की 28 सीटों के लिए घोषित किए जा चुके हैं। कांग्रेस तीन राज्यों में एक भी सीट नहीं जीत पाई है और महाराष्ट्र में भी उसका सफाया हो चुका है। सत्ताधारी महायुति गठबंधन और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच कड़ी टक्कर रही, लेकिन वहां भी कांग्रेस की स्थिति नाजुक नजर आई। इससे पहले केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि चार राज्यों में लड़ी गई 28 विधान परिषद की सीटों में से पार्टी एक भी सीट जीतने में विफल रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार वोट चोरी का आरोप लगाती है और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाती है, फिर भी जब चुनाव परिणाम उसके पक्ष में नहीं आते तो व्यवस्था को ही दोषी ठहराती है। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार ईवीएम पर सवाल उठाती है और कथित अनियमितताओं का आरोप लगाती है, लेकिन जब बैलेट पेपर से मतदान की बात आई तो वहां भी जीत हासिल करने में विफल रही और उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणामों ने कांग्रेस पार्टी के आरोपों की वैधता पर ही संदेह पैदा कर दिया है। गौरतलब है कि एमएलसी चुनाव चार राज्यों के 28 स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए हुए थे। उत्तर प्रदेश में 11 विधान परिषद सीटों पर मतदान हुआ, जिनमें 5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे। बिहार में 8 विधान परिषद सीटों पर मतदान हुआ, जिनमें 4 स्नातक और 4 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे, जबकि महाराष्ट्र में 5 विधान परिषद सीटों पर चुनाव हुए, जिनमें तीन स्नातक और दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे। कर्नाटक में कांग्रेस सभी चार सीटों पर हार गई।

नतीजों को लेकर पीएम मोदी का तंज



प्रशासनिक ढांचा तहस-नहस होने के कारण भगवंत मान मैदान से भाग रहेः सरदार सुखबीर सिंह बादल

कहा, पार्टी किसी ऐसी पार्टी के साथ गठबंधन के लिए तैयार है जो उसकी विचारधारा और नीतियों को स्वीकार करे

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। शिरोमणी अकाली दल के अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल ने आज कहा है कि प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमराने के कारण 2027 में लोग मुख्यमंत्री भगवंत मान को नकार देगें और यह महसूस करने के बाद वह मैदान से भाग रहे हैं। उन्होने जोर देकर कहा कि पंजाब पंजाबियों और अकाली दल के साथ खड़ा हैं। अकाली दल अध्यक्ष ने पार्टी के हलका इंचार्जों से मीटिंग की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए दलजीत सिंह जैसे मामलों का जिक्र करते हुए कहा,'' पंजाब में पहले कभी ऐसी स्थिति नही देखी गई।'' पुलिस ने दलजीत सिंह के पार्थिव शरीर को जबरन परिवार से छीन लिया। उन्होने कहा,'' चूंकि पंजाब में कोई कमांडर नही है इसीलिए पुलिस भी अपनी मनमानी कर रही है।'' यह जोर देकर कहते हुए सरदार सुखबीर सिंह बादल ने कहा,'' राहुल गांधी की पंजाब यात्रा से पंजाबियों पर कोई असर नही पड़ेगा, क्योंकि उन्होने अपनी क्षेत्रीय पार्टी का समर्थन करने का निर्णय किया है, जो अकेले ही उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं पर खरी उतर सकती है। पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए सरदार बादल ने कहा,'' हम किसी भी ऐसी राजनीतिक पार्टी के साथ गठबंधन के लिए तैयार हैं जो हमारी विचारधाराओं और नीतियों को स्वीकार करती है।'' उन्होने कहा कि हम पहले ही साफ कर चुके हैं कि अकाली दल कभी भी कांग्रेस यां आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन नही करेगी। उन्होने कहा,'' जब भी गठबंधन का प्रस्ताव आएगा , हम उस पर विचार करेंगें।'' इस बीच पार्टी की मीटिंग के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए वरिष्ठ नेता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि 10 नवंबर से शुरू होने वाली पंजाब यात्रा अब 15 नवंबर से शुरू होगी। उन्होने कहा कि पार्टी अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल इस यात्रा की अगुवाई करेंगें और त्योहारों के मौसम के साथ-साथ इस वजह से यह यात्रा स्थगित की जा रही क्योंकि किसान मंडियों में व्यस्त हैं।

खरड़ में नशे के खिलाफ महिलाओं का विशाल जमावड़ा, हरसिमरत बादल बोलीं–आज नहीं बुझाई नशे की आग तो हर घर तक पहुंचेगी

डेली आवाज भारती



खरड़/सुकून महाजनः पंजाब में नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री और बठिंडा से सांसद बीबी हरसिमरत कौर बादल की ओर से चलाई जा रही मुहिम 'मां-बेटियों की ललकार, बंद करवाएंगे नशे का व्यापार' के तहत बुधवार को खरड़ में महिलाओं का विशाल जमावड़ा आयोजित किया गया। शिरोमणि अकाली दल के खरड़ हलका इंचार्ज रविंदर सिंह खेड़ा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। समागम को संबोधित करते हुए बीबी हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि महिलाओं का यह विशाल जमावड़ा साबित करता है कि पंजाब की माताएं और बहनें नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने रविंदर सिंह खेड़ा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने हलके की महिलाओं की तस्वीरों को भी नेताओं के बराबर स्थान देकर महिलाओं के सम्मान और उनकी अहमियत को दर्शाया है। उन्होंने कहा कि वह पिछले 15 से 20 वर्षों से लगातार लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याएं सुन रही हैं। पहले माताएं स्कूलों और बुनियादी सुविधाओं की मांग करती थीं, लेकिन पिछले पांच से सात वर्षों में हालात ऐसे हो गए हैं कि माताएं उनके गले लगकर रोती हैं और कहती हैं कि नशे ने उनके घर बर्बाद कर दिए हैं, इसलिए इस कारोबार को बंद करवाया जाए।

बीबी बादल ने आरोप लगाया कि सरकार नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में नाकाम रही है और नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कथित तौर पर नशा तस्करों को पुलिस थाने से कुछ समय बाद छोड़ दिया जाता है, जिसके बाद वे शिकायत करने वालों को धमकाते हैं।

सोमालिया में आतंकियों ने बिछाया मौत का जाल

घात लगाकर सैनिकों को बनाया निशाना, 20 जवानों की मौत

डेली आवाज भारती



मोगादिशु। इस्लामी चरमपंथियों द्वारा घात लगाकर किए गए एक हमले में 20 सोमाली सैनिकों की मौत हो गई। इस हमले में जीवित बचे एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार ने अपनी सैन्य गाड़ियों को नुकसान पहुंचने की बात स्वीकार की है, लेकिन सैनिकों के मारे जाने या घायल होने के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है। लगभग दो दशकों से सोमालिया की सरकार के खिलाफ लड़ रहे अल-कायदा से जुड़े अल-शबाब आतंकवादी समूह ने दक्षिणी सोमालिया के जामीका गांव के पास सोमवार को हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। सोमालिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि घंटों चली इस लड़ाई के दौरान उसकी सेना ने लगभग 75 चरमपंथियों को मार गिराया और 56 अन्य को घायल कर दिया। वहीं, अल-शबाब ने दावा किया कि उसने 321 सैनिकों को मार डाला और कई सैनिकों को बंधक बनाने के साथ-साथ उनके सैन्य उपकरण भी जब्त कर लिए। दोनों पक्षों की ओर से हताहतों की संख्या और सैनिकों तथा उपकरणों पर कब्जे के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी। हमले के समय सैन्य दल के साथ यात्रा कर रहे अधिकारी अबशिर अब्दीकरीम ने मंगलवार देर रात फोन पर द एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि उन्होंने हमले के बाद अपने कम से कम 20 साथी सैनिकों के शव देखे।

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' ने आंध्र प्रदेश में मचाई तबाही, 3 लोगों की मौत

- तूफान का असर रेल व हवाई यातायात पर भी, राहत और बचाव अभियान
- 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा तथा विशाखापट्टनम एयरपोर्ट से 21 उड़ानें रद्द कीं

आंध्र प्रदेश में करीब 57 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है

डेली आवाज भारती



बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' ने आंध्र प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। तूफान के कारण राज्य में अब तक 3 लोगों की मौत होने की सूचना है, जबकि 31 घरों को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन ने बड़े स्तर पर राहत और बचाव अभियान चलाया है। आंध्र प्रदेश में करीब 57 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तूफान का असर रेल और हवाई यातायात पर भी पड़ा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ-साथ यातायात सेवाओं में भी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। फिलहाल प्रभावित क्षेत्रों में मौसम और नुकसान की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। एहतियात के तौर पर 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा तथा विशाखापट्टनम एयरपोर्ट से 21 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

चक्रवाती तूफान से ओडिशा के 16 जिलों में स्कूल बंद

चक्रवाती तूफान का असर पड़ोसी राज्य ओडिशा में भी देखने को मिल रहा है। भारी बारिश की आशंका और बिगड़ते मौसम को देखते हुए राज्य के 16 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। प्रशासन ने एहतियातन करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में राहत कार्यों के लिए करीब 4,000 साइक्लोन शेल्टर तैयार किए गए हैं।

विशाखापट्टनम में 18 घंटे में 200 मिमी से ज्यादा बारिश

तूफान के कारण विशाखापट्टनम में बारिश का असर बेहद गंभीर रहा। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 27 अक्टूबर की सुबह 8:30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक करीब 18 घंटे में यहां 200 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। यह मात्रा विशाखापट्टनम में जुलाई के दौरान होने वाली औसत बारिश से डेढ़ गुने से भी अधिक है। कम समय में इतनी अधिक बारिश होने से जलभराव और जनजीवन प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है।

मजीठिया ने चुनौती देकर झाड़ू सरकार को घेरा

पंजाब को आग के हवाले करने के मामले को दबाने के लिए डी.ए. के मामले को 'ड्रग केस' का नाम देकर पंजाबियों को गुमराह कर रहा अनपढ़ मुख्यमंत्री का दिल्ली वाला आका केजरीवाल

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के सीनियर नेता और पूर्व मंत्री सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया ने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब को आग के हवाले करने के मामले को दबाने के लिए दिल्ली का ब्लफ-मास्टर अरविंद केजरीवाल डी.ए. के मामले को %ड्रग केस% का नाम देकर पंजाबियों को गुमराह कर रहा है। केजरीवाल और भगवंत मान की अगुवाई वाली झाड़ू सरकार द्वारा पंजाब में मचाए गए गदर को छुपाने के लिए इस मामले को ड्रग केस के तौर पर पेश करने की कोशिश की जा रही है, पर अदालती कार्रवाई ने सरकार के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि केजरीवाल ने 2018 में ड्रग के झूठे आरोप लगाने के बाद माफी मांगी थी। उसके बाद मैं सत्ता में नहीं आया, पर अब झूठी झाड़ू पार्टी द्वारा फिर मेरे नाम को ड्रग मामले से जोड़कर सियासी फायदा लेने की कोशिश की जा रही है। यह झाड़ू पार्टी का सफेद झूठ है, जिसे पंजाब के लोगों के सामने बेनकाब करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार को आरोप साबित करने के लिए 18 मार्च 2025 तक का समय दिया गया था, पर केजरीवाल और भगवंत मान सरकार मेरे खिलाफ आरोप साबित करने में असफल रही है। मेरे वकील ने अदालत में सारे तथ्य पेश करके दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया है। मेरे वकील डी.एस. सोबती ने अदालती कार्रवाई का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि मेरा ड्रग मामले से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर कोई संबंध साबित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार न तो 736 करोड़ रुपये की ड्रग मनी से मेरा कोई संबंध साबित कर सकी है और न ही गाड़ियों के जरिए किसी को ले जाने या किसी और तरह के संबंधों के बारे में कोई ठोस सबूत पेश कर सकी है।

पंजाब में 100 नई मिनी बसें शुरू, नवंबर में शामिल होंगी 309 और बसें

डेली आवाज भारती



पटियाला। पंजाब में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर बस सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से पंजाब सरकार ने पीआरटीसी के बेड़े में 100 नई 29-सीटर मिनी बसें शामिल की हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पटियाला में इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सरकार का कहना है कि इस पहल से गांवों को शहरों से जोड़ने और आम लोगों की आवाजाही को आसान बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन लोगों के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, महिलाओं और अन्य यात्रियों को समय पर बस सेवा उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। नई मिनी बसों के संचालन से उन मार्गों पर भी परिवहन सुविधा बेहतर होने की उम्मीद है, जहां बड़ी बसों का संचालन व्यावहारिक नहीं होता। पीआरटीसी के विभिन्न डिपो में नई बसों का आवंटन किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटियाला डिपो को 25, बठिंडा को 15, संगरूर को 10 और बरनाला को 9 बसें दी गई हैं। बाकी बसें अन्य डिपो में तैनात की जाएंगी, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों की परिवहन जरूरतों को पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि नवंबर में पीआरटीसी के बेड़े में 309 और बड़ी बसें शामिल करने की योजना है। इससे सार्वजनिक परिवहन की क्षमता बढ़ाने और यात्रियों को अधिक विकल्प उपलब्ध करवाने में सहायता मिलने की उम्मीद है।

ग्रामीण यात्रियों को होगा फायदा

नई मिनी बसों से गांवों के लोगों को बाजारों, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों और शहरों तक पहुंचने में सुविधा मिल सकती है। हालांकि, यात्रियों को वास्तविक लाभ संबंधित रूटों, बसों के समय और नियमित संचालन पर निर्भर करेगा। पंजाब में सार्वजनिक परिवहन के विस्तार की यह पहल ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है। अब इन बसों के रूट और समय-सारणी के अनुसार संचालन से ही पता चलेगा कि अलग-अलग क्षेत्रों के यात्रियों को कितनी सुविधा मिलती है।

CMYK

page 2_Layout 1 28-10-2026 22:06 Page 1

गुजरात में बनेगा हरियाणा भवन, प्रवासी हरियाणावासियों की समस्याओं के समाधान के लिए बनेगा विशेष पोर्टल

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। हरियाणा और गुजरात के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान निवेश के अवसरों के साथ-साथ प्रवासी हरियाणावासियों की समस्याओं और उनकी सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गुजरात में रहने वाले प्रवासी हरियाणावासियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए एक समर्पित पोर्टल बनाया जाएगा। प्रवासियों की समस्याओं का होगा समयबद्ध समाधान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने दौरे के दौरान सूरत और अहमदाबाद में प्रवासी हरियाणावासियों से मुलाकात की। इन बैठकों में प्रवासी समुदाय ने अपनी उपलब्धियों, समस्याओं और अपेक्षाओं को मुख्यमंत्री के सामने रखा। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार उनके हितों की रक्षा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सूरत में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी हरियाणावासी प्रस्तावित पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। इसके जरिए शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाने का प्रयास किया जाएगा।

गुजरात में बनेगा हरियाणा भवन

गुजरात में हरियाणा भवन बनाने की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। महाराष्ट्र में हरियाणा भवन की तर्ज पर प्रस्तावित यह भवन गुजरात में रहने वाले हरियाणावासियों के लिए सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र बन सकेगा। हरियाणा भवन दोनों राज्यों के बीच संपर्क मजबूत करने के साथ प्रवासी समुदाय को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

आर्थिक निवेश के साथ सांस्कृतिक सहयोग पर जोर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुजरात और हरियाणा के संबंधों को केवल आर्थिक निवेश तक सीमित न रखते हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग को भी आगे बढ़ाने पर जोर दिया। गुजरात के औद्योगिक और कारोबारी अनुभवों से हरियाणा में निवेश की संभावनाओं को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

इस दौरे के दौरान प्रवासी समुदाय के साथ संवाद को भी दोनों राज्यों के बीच सहयोग का अहम माध्यम माना गया। प्रस्तावित शिकायत पोर्टल और हरियाणा भवन जैसी पहलें प्रवासी हरियाणावासियों को राज्य सरकार से जोड़ने में सहायक हो सकती हैं।

शहीद स्मारक निर्माण के लिए कई बार विधानसभा में उठाई मांग, हमारी सरकार आई तो मिली मंजूरी : अनिल विज

डेली आवाज भारती



अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आगामी 5 नवंबर को अम्बाला छावनी में निर्मित शहीद स्मारक का उद्घाटन करने के लिए आ रहे हैं। पहले स्मारक का उद्घाटन होगा और बाद में गांधी ग्राउंड में कार्यकर्ताओं की बै ी रैली होगी। उन्होंने कहा इस रैली में पहुंचना लोगों के लिए बे ी बात है क्योंकि हम किसी शहीदी स्मारक के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे हैं। पांच नवंबर को उद्घाटन के बाद छह नवंबर से जनता के लिए शहीद स्मारक खोल दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी आदेश दिए हैं कि हरियाणा के विभिन्न स्कूलों व शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को यह शहीद स्मारक दिखाया जाएगा ताकि युवाओं को पता चल सके कि 1857 में मेरठ से पहले अम्बाला में स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ था। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि 5 नवंबर को अम्बाला छावनी गांधी ग्राउंड में आयोजित रैली में वह अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे क्योंकि यहां राष्ट्रीय स्तर के स्मारक का उद्घाटन समारोह है।

विज आज अम्बाला शहर के अम्बाला क्लब में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में 5 नवंबर को आयोजित शहीद स्मारक के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का स्वागत करते हुए कहा कि डा. अर्चना गुप्ता ने पदभार संभालने के थो ेसमय में ही बिजली जैसा जोश कार्यकर्ताओं में भर दिया है और वह अपने अनुभव के आधार पर कह सकते हैं कि अर्चना गुप्ता की रहनुमाई में भाजपा बहुत तरक्की करेगी और हमारी सरकार लोगों की उम्मीदों पर सौ प्रतिशत पूरा उतरेगी।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि शहीद स्मारक निर्माण को लेकर वह पिछले 25-30 वर्षों से प्रयास करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा किताबों में यही पे ाया गया कि आजादी की ले ाई कांग्रेस ने ले ी मगर जब उन्होंने और किताबें पे ी तो पाया कि कांग्रेस के जन्म से भी पहले 1857 में एक आजादी की ले ाई सशस्त्र पूरे हिंदुस्तान में ले ी गई जिसकी शुरूआत अम्बाला से हुई। उन्होंने कहा कि ऐसे दस्तावेज मिले हैं जिससे पता चलता है कि 1857 में मेरठ से दस घंटे पहले नौ बजे अम्बाला छावनी में 60वीं और 5वीं नेटिव इंफेंटरी ने आजादी की ले ाई का बिगुल बजा दिया था। मगर, इतिहास में कभी भी उन वीरों को याद नहीं किया गया, जिनको पे ों से बांध-बांध कर गोलियां मारी गई, जिनके ऊपर कोहलू चलाए गए उन शहीदों को कभी देश ने श्रद्धांजलि नहीं दी जोकि तकलीफदेय है। 1857 के शहीद भी मां के लाल थे जोकि आजादी की ले ाई में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए यदि एक कदम भी किसी ने घर से बाहर निकाला वो उसे भी नमन करते हैं चाहे वो कांग्रेसी हो। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में सारे देश में आजादी की पहली ले ाई हुई जिसे कभी किसी ने याद नहीं किया और कहीं कोई स्मारक नहीं बना जहां इस ले ाई को प्रदर्शित किया जा सके।

अतिथि अध्यापकों के भविष्य को लेकर स्पष्ट नीति बनाए हरियाणा सरकार : कुमारी सैलजा

डेली आवाज भारती



सिरसा। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा में लंबे समय से कार्यरत अतिथि अध्यापकों के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की है। सांसद ने कहा कि प्रदेश के करीब 12 हजार अतिथि अध्यापक पिछले लगभग 21 वर्षों से सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी नियमितीकरण संबंधी मांग का अब तक समाधान नहीं हो पाया है। सरकार को उनके अनुभव, योगदान और भविष्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए न्यायसंगत नीति बनानी चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि अतिथि अध्यापकों ने विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी के बावजूद शिक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इतने लंबे सेवाकाल के बाद उनकी मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लगभग 29,866 पद रिक्त बताए जा रहे हैं। अनेक विद्यालय सीमित शिक्षकीय स्टाफ के सहारे संचालित हो रहे हैं। सरकार को रिक्त पदों की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक कर नियमित भर्ती प्रक्रिया तेज करनी चाहिए।

सांसद ने उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर भी चिंता जताई। सैलजा ने कहा कि विभिन्न विभागों में कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा और नियमितीकरण से जुड़े मामलों का भी कानूनी प्रावधानों के अनुरूप समाधान निकाला जाना चाहिए। सांसद ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अतिथि अध्यापकों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर व्यावहारिक समाधान निकालने का आग्रह किया।

दिल्ली रैली में लाखों लोगों के पहुंचने का दावा :सैलजा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि गैरसैंण विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आमजन की भागीदारी प्रदेश में बढ़ते जनअसंतोष का संकेत है। सांसद ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और जनसमस्याओं को लेकर जनता अपनी आवाज उठा रही है। सैलजा ने दावा किया कि एक नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित रैली में हरियाणा, उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से लाखों लोग पहुंचेंगे और केंद्र सरकार की नीतियों के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज करवाएंगे।

विधानसभा गैलरी में कांग्रेस और 'आप' विधायकों के बीच हाथापाई

चंडीगढ़। विधानसभा गैलरी में कांग्रेस और क्कविधायकों के बीच हाथापाई देखने को मिली। जब प्रताप सिंह बाजवा और परगट सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक नारे लगा रहे थे और मीडिया से बात कर रहे थे, तभी पूर्व मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल और मनविंदर सिंह ग्यासपुरा भी गैलरी में आ गए और मीडिया से बात करने लगे। उन्होंने कांग्रेस विधायकों पर विधानसभा के कामकाज में बाधा डालने का आरोप लगाया। कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने खैरा के निलंबन आदेश को फाड़ भी दिया। इस बीच, क्ककी महिला विधायक सरबजीत कौर मानुके और इंद्रजीत कौर मान भी वहां आ गईं। वे कांग्रेस विधायकों के सामने खड़ी हो गईं और मीडिया से बात करने लगीं। परगट सिंह को हाथ जोड़कर मानुके से विनती करते हुए देखा गया। बाजवा ने आरोप लगाया कि बलतेज पन्नू पीछे खड़े होकर उन्हें निर्देश दे रहे थे।

अर्नब चक्रवात : रेल मंत्री ने अधिकारियों के साथ की बैठक, कहा-हालात पर करीब से रखी जा रही नजर

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। चक्रवात अर्नब को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जमीनी हालात का जायजा लिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, ÷साइक्लोन अर्नब के बाद बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जमीनी हालात की समीक्षा की। 10 जगहों पर पेड़ गिरने जैसी छोटी-मोटी दिक्कतों को तुरंत ठीक कर दिया गया। ट्रेनों का संचालन सुरक्षित और आसान बनाए रखने के लिए हालात पर करीब से नजर रखी जा रही है।÷ चक्रवात अर्नब को लेकर देशभर में कई जगहों पर अलर्ट जारी किया गया है। राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की कई टीमें तैनात की गई हैं। आंध्र प्रदेश का डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिला भी अलर्ट पर है। जिला कलेक्टर डॉ. आर महेश कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे बुधवार दोपहर तक बिना किसी जरूरी काम के घरों से बाहर न निकलें और अत्यंत आवश्यक होने पर ही यात्रा करें। प्रशासन ने लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राहत एवं बहाली कार्य तेज कर दिए हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर चक्रवात अर्नब से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जल्द से जल्द केंद्रीय टीमों को भेजने की रिक्वेस्ट की। उन्होंने कहा कि 14 जिलों में 16 एनडीआरएफ और 11 एसडीआरएफ टीमों को तैनात किया गया है, और 28,000 से ज्यादा लोगों को रिहैबिलिटेशन सेंटर में शिफ्ट किया गया है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक 180 घरों, 70,900 हेक्टेयर धान की फसलों और 10,450 हेक्टेयर बागवानी फसलों को नुकसान हुआ है, जबकि 220 से ज्यादा पेड़ सड़कों पर गिर गए। अभी तक किसी के मरने की खबर नहीं है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को अलर्ट रहने और चक्रवात अर्नब की वजह से 28 से 31 अक्टूबर तक बारिश और तेज हवाओं की संभावना को देखते हुए लोगों की सुरक्षा पक्का करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों को मौसम के हालात पर नजर रखने, राहत और बचाव की तैयारी तैयार रखने, जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने और फसलों और जानवरों की सुरक्षा के लिए सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

डीए मामला: पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ता (DA) देने से जुड़े एक मामले में पंजाब के मुख्य सचिव पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने इस मामले में पंजाब सरकार द्वारा अपना जवाब दाखिल न करने पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने देरी के लिए यह जुर्माना लगाया और राज्य सरकार को अगली सुनवाई से पहले अपना जवाब पेश करने का निर्देश दिया। पंजाब में सरकारी कर्मचारी और पेंशनभोगी अपने लंबित DA (महंगाई भत्ते) के भुगतान की मांग कर रहे हैं, और भुगतान के मुद्दे को लेकर यह मामला हाई कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 3 नवंबर के लिए टाल दी है और राज्य सरकार को अगली सुनवाई से पहले अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। उम्मीद है कि अगली सुनवाई में डीए से जुड़ी लंबित मांगों पर सरकार का रुख और अधिक स्पष्ट हो सकेगा।

'त्योहारी सीजन में रैली से व्यापार चौपट हो जाएगा', व्यापारियों ने राहुल गांधी से की विरोध प्रदर्शन टालने की अपील

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। 1 नवंबर को प्रस्तावित विपक्षी गठबंधन की रैली और विरोध प्रदर्शन को लेकर दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। व्यापारियों ने बुधवार को कहा कि दिवाली और भाई दूज जैसे महत्वपूर्ण त्योहारी सीजन के बीच होने वाली किसी भी बड़ी राजनीतिक रैली का सीधा असर बाजारों, ग्राहकों की आवाजाही और कारोबार पर पड़ेगा। इसी कड़ी में व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने राहुल गांधी से प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन वापस लेने या कम से कम उसे दिवाली के बाद तक स्थगित करने की अपील की है। आईएएनएस से बातचीत में रविकांत गर्ग ने कहा कि जिस मुद्दे को लेकर रैली की जा रही है, वह पहले से ही सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कई याचिकाएं दायर की गई हैं और हाल ही में अदालत में इस पर विस्तृत सुनवाई भी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अगली सुनवाई 17 नवंबर को निर्धारित है। गर्ग ने कहा कि यदि मामला न्यायालय में लंबित है तो इस तरह की रैली का कोई औचित्य नहीं बनता। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के कार्यक्रम लोगों को भ्रमित करने और दबाव की राजनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष वास्तव में रचनात्मक राजनीति करना चाहता है तो उसे इस विरोध प्रदर्शन पर पुनर्विचार करना चाहिए।

गर्ग ने कहा, अगर राहुल गांधी एक समझदार व्यक्ति हैं और सही मायने में समझदारी वाली राजनीति करना चाहते हैं या कुछ अच्छा करना चाहते हैं, तो उनके लिए यही बेहतर होगा कि वे इस विरोध प्रदर्शन को वापस ले लें। वहीं, चांदनी चौक व्यापार समिति के अध्यक्ष संजय भार्गव ने आईएएनएस से कहा कि व्यापारियों ने पहले ही कई चुनौतियों का सामना किया है और अब त्योहारी सीजन में एक और बड़े आयोजन की आशंका उन्हें परेशान कर रही है।

उन्होंने कहा, समस्या सिर्फ रैली के एक दिन आयोजित होने की नहीं है, बल्कि उससे पहले और बाद में लगने वाली सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्रतिबंध और बैरिकेडिंग भी बाजारों को प्रभावित करती है। भार्गव ने कहा कि यदि आयोजन करना ही है तो इसे दिवाली के बाद रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ÷रामलीला मैदान नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली के बीच स्थित है और यहां बड़ी भीड़ जुटने की स्थिति में दोनों इलाकों में भारी ट्रैफिक जाम लग सकता है। इसका असर चांदनी चौक, सदर बाजार और आसपास के थोक व खुदरा बाजारों पर पड़ना तय है। इसके साथ ही, कई व्यापारियों ने भी इस प्रस्तावित रैली का विरोध किया है।

विपक्ष ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च की आलोचना की, रैली की अनुमति देने पर उठाए सवाल

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। दिल्ली में इंडी ब्लाक की मेगा रैली से पहले बुधवार को विपक्षी नेताओं ने भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च की आलोचना की। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। आईएएनएस से बात करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि लोकतंत्र को भाजपा से बचाने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव आयोग, वित्तीय संस्थानों और जांच एजेंसियों सहित कई संस्थाओं को कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह सुनकर मुझे हंसी आ रही है। लोकतंत्र को भारतीय जनता पार्टी से बचाने की जरूरत है क्योंकि जिस तरह से वह हर संस्था को कमजोर कर रही है, चाहे वह चुनाव आयोग हो, हमारे वित्तीय संस्थान हों या जांच एजेंसियां, वह चिंताजनक है। भाजपा ने राजनीतिक दलों को बनाने, कमजोर करने और तोड़ने के लिए इन संस्थाओं का गलत इस्तेमाल किया है और इसीलिए हम लोकतंत्र को बचाने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह तो वही बात हो गई कि 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे'। सीपीआई (एम) नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा कि हर राजनीतिक दल को मार्च, रैली और विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का अधिकार है। उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया कि सरकार और प्रशासन, सत्ताधारी भाजपा और विपक्ष द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के साथ अलग-अलग तरह का बर्ताव क्यों करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल को अपने कार्यक्रम, मार्च, रैली और विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का अधिकार है। हालांकि सरकार और प्रशासन इन कार्यक्रमों के साथ कैसा बर्ताव करते हैं, यह मायने रखता है। अगर यह सत्ताधारी पार्टी का कार्यक्रम होता है, तो सारी व्यवस्थाएं की जाती हैं और सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, जब विपक्ष का कार्यक्रम होता है, तो कई तरह की पाबंदियां लगा दी जाती हैं। रामलीला मैदान के लिए जो शर्तें रखी गई हैं, वे तो हद दर्जे की ज्यादती हैं। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भी भाजपा के प्रस्तावित मार्च पर तंज कसते हुए कहा कि लोकतंत्र बचाने के नाम पर कार्यक्रम आयोजित करके भाजपा खुद लोगों के बीच हंसी का पात्र बन सकती है। उन्होंने कहा कि बिल्कुल, आप लोकतंत्र बचाने के लिए मार्च निकालना चाहते हैं, जरूर निकालिए। यह अलग बात है कि सड़क पर चलने वाले लोग आप पर हंसेंगे। खैर, अगर वे खुद को हंसी का पात्र बनाना चाहते हैं, तो वे ऐसा कर सकते हैं। दीक्षित ने मार्च की शुरुआत के लिए भाजपा द्वारा लाल किले को चुने जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने इस ऐतिहासिक स्मारक के महत्व और मुगल इतिहास के प्रति भाजपा के नजरिए की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि मैं एक बात पूछना चाहता हूं कि लाल किला मुगल सत्ता का प्रतीक है। वे बार-बार इसी जगह पर क्यों आते हैं? मेरे हिसाब से, उन्होंने जो इतिहास पेश किया है, उसमें तो लाल किला है ही नहीं क्योंकि उन्होंने मुगलों को अपने इतिहास में शामिल ही नहीं किया है।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए खुशखबरी, डीए में 3% बढ़ोतरी, जानें कितनी बढ़ेगी सैलरी

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को राहत देने का फैसला किया है।

कैबिनेट की बैठक में महंगाई भत्ते डीए में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इसके बाद महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई से प्रभावी होगी। कर्मचारियों को जुलाई से अक्टूबर तक का बकाया एरियर अक्टूबर की सैलरी के साथ जोड़कर नवंबर में मिलने की जानकारी दी गई है। महंगाई भत्ते में इस इजाफे से केंद्र सरकार पर सालाना करीब 10,016 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ने का अनुमान है। केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स काफी समय से डीए बढ़ने का इंतजार कर रहे थे। दशहरा के दौरान भी इस संबंध में घोषणा की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन पिछली दो साप्ताहिक कैबिनेट बैठकों में फैसला सामने नहीं आया था। डीए बढ़ने से कितनी बढ़ेगी कर्मचारियों की सैलरी? महंगाई भत्ते की गणना कर्मचारी के मूल वेतन यानी बेसिक पे के प्रतिशत के आधार पर की जाती है। डीए बढ़ने से हर महीने मिलने वाली सैलरी में इजाफा होता है। इसके अलावा, जिन कर्मचारियों को महंगाई भत्ते से जुड़ा ट्रांसपोर्ट अलाउंस (TPTA) मिलता है, उनके भत्ते में भी बढ़ोतरी हो सकती है। उदाहरण के तौर पर, 29,200 रुपये मूल वेतन वाले केंद्र सरकार के लेवल-5 कर्मचारी का डीए 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत होने पर मासिक महंगाई भत्ते में 876 रुपये की बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा, संबंधित ट्रांसपोर्ट अलाउंस श्रेणी और शहर के अनुसार टीपीटीए पर मिलने वाले अतिरिक्त डीए में भी बढ़ोतरी हो सकती है। दिए गए अनुमान के मुताबिक, यह अतिरिक्त राशि लगभग 108 रुपये हो सकती है। वास्तविक बढ़ोतरी कर्मचारी की पात्रता, तैनाती वाले शहर और लागू नियमों पर निर्भर करेगी।

छठे और पांचवें वेतन आयोग के कर्मचारियों के लिए भी बदलाव

सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के तहत आने वाले कर्मचारियों के अलावा, छठे और पांचवें वेतन आयोग के वेतनमान के अनुसार वेतन पाने वाले कर्मचारियों के डीए में भी बदलाव का उल्लेख किया गया है।

छठा वेतन आयोग: 1 जुलाई 2026 से डीए/डीआर मूल वेतन का 262 प्रतिशत से बढ़कर 269 प्रतिशत होने का उल्लेख है, यानी 7 प्रतिशत की वृद्धि।

पांचवां वेतन आयोग: 1 जुलाई 2026 से डीए/डीआर 483 प्रतिशत से बढ़कर 497 प्रतिशत होने का उल्लेख है, यानी 14 प्रतिशत की वृद्धि। इन दरों और लागू होने की तारीखों की पुष्टि संबंधित सरकारी आदेश से की जानी चाहिए।

फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर हुई सड़क हादसे में व्यक्ति की हुई मौत

गुरुहरसहाय, (अमनदीप गिरधर): थाना लक्खोके बहराम की पुलिस ने बीते दिन फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर प्रगट साहिब गुरु घर के पास हुए सड हादसे में मारे गए व्यक्ति के मामलें में मृतक के भाई के बयान पर गाड़ी चालक एवं एक अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना लक्खोके बहराम के एएसआई महल सिंह ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में सुखविन्द्र सिंह पुत्र शर्मा सिंह वासी महालम ने बताया कि उसका भाई सतनाम सिंह बीते दिन जब अपनी बेटीयों के साथ गुरुहरसहाय से गांव करी कलां आ रहा था तो रास्ते में गुरु घर प्रगट साहिब फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर दोषी चमकौर सिंह व दलजीत सिंह ने लावरवाही से गाड़ी चलाकर रोड पर हैंड ब्रेक लगा दी, जिससे दुर्घटना होने पर उसके भाई सतनाम सिंह की मौके पर मौत हो गई और उसकी बेटीयां जख्मी हो गई थी।

जीरा एवं मक्खू पुलिस ने 3 ग्राम हेरोइन और नशा करने वाले सामान सहित 5 को किया गिरफ्तार

- **गिरफ्तार लोगों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट तहत दर्ज किए मामलें**

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना जीरा सिटी और थाना मक्खू की पुलिस ने नशा बेचने वाले लोगों के खिलाफ डीएसपी जसपाल सिंह ढिल्लों के दिशा निर्देशानुसार चलाई मुहिम तहत गश्त व चैकिंग के दौरान विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तारर करके उनके कब्जे से 3 ग्राम हेरोइन और नशा करनेवाला सामान बरामद किया है। उक्त मामलों में पुलिस ने गिरफ्तार किए लोगों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट तहत मामले दर्ज किए है। जानकारी देते हुए थाना सिटी जीरा के इंस्पैक्टर जसविन्द्र सिंह ने बताया कि उन्होंने बीते दिन पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान कर्मजीत सिंह उर्फ लहोरी पुत्र बहाल सिह वासी बस्ती माछीयां जीरा, गुरमीत सिंह उर्फ काका पुत्र सुखविन्द्र सिंह वासी बस्ती माछीयां जीरा, हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पुत्र अमरीक सिंह वासी बस्ती माछीयां जीरा और गुरप्रीत सिंह उर्फ सन्नी पुत्र काबल सिंह वासी कृष्णा मंदिर जीरा को हेरोइन का नशा करते हुए गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 1 सिल्वर पन्नी हेरोइन लगी, 1 लाईटर और 10 रुपए का नोट बरामद किया है। जबकि दूसरे मामले संबंधी थाना मक्खू के एएसआई जगदीप सिंह ने ने बताया कि उन्होंने बीते दिन पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान शक के अधार पर फोलिस उर्फ साजन पुत्र रेशम वासी जोगेवाला मक्खू को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 3 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

CMYK

डेली आवाज पंजाब

बरनाला, संगरूर ❯❯ वीरवार, 29 अक्तूबर 2026

ओमेक्स चौक : भीषण सड़क हादसे में दूसरी युवती ने भी दम तोड़ा, परिवारों ने लगाई मुआवजे और सरकारी नौकरी की गुहार

डेली आवाज भारती







न्यू चंडीगढ़: (हरतेज सिंह तेजी) : ओमेक्स चौक पर बीते दिनों एक अनियंत्रित ट्राले की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुई दूसरी एक्टिवा सवार युवती ने भी इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक हादसे में अब दोनों युवतियों की जान जा चुकी है, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है और पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे के समय गांव सलामतपुर निवासी 19 वर्षीय सुमन की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उसकी सहेली अमनप्रीत कौर (18 वर्ष), निवासी गांव रसूलपुर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही अमनप्रीत की भी आखिरकार इलाज के दौरान मौत हो गई।

अफसर बनने का था सपना, घरों की आर्थिक हालत बेहद नाजुक

परिजनों ने भारी मन से बताया कि दोनों युवतियां होनहार थीं और उनका सपना पढ़-लिखकर सरकारी अफसर बनना और अपने परिवार व इलाके का नाम रोशन करना था। ग्रामीणों के अनुसार, दोनों पीड़ित परिवारों की माली हालत बेहद नाजुक है। युवतियों के असमय चले जाने से परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पीड़ित परिजनों ने पंजाब सरकार से न्याय की गुहार लगाते हुए उचित आर्थिक मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

पुलिस ने ट्राला किया जब्त, मामला दर्ज

हादसे के तुरंत बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया था और ट्राले को भी अपने कब्जे में ले लिया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल वाहनों की सुरक्षित नीति के तहत जांच की गई, 2 मामलों में चालान जारी किए गए

डेली आवाज भारती



बरनाला/गोपाल। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेशों के तहत और बरनाला के उपायुक्त श्री हरप्रीत सिंह आईएएस के मार्गदर्शन में तथा बरनाला की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रतिंदर पाल कौर धारीवाल के नेतृत्व में, सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के तहत आज जिले में स्कूल बसों की जांच की गई।

इस दौरान बाबा गंधा पब्लिक स्कूल बरनाला, वाईएस स्कूल बरनाला और जय वाटिका पब्लिक स्कूल बरनाला की 25 स्कूल वैन की जांच की गई। इस अवसर पर सुरक्षित स्कूल वाहन नीति की शर्तों का पालन न करने वाली 2 स्कूल बसों का चालान जारी किया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी भूषण लाल ने बताया कि जिला स्तरीय सुरक्षित स्कूल वाहन टीम समय-समय पर स्कूल प्रधानाचार्यों और स्कूल चालकों को सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के निर्देशों जैसे सीसीटीवी कैमरा, खिड़की और लोहे की ग्रिल, प्राथमिक चिकित्सा पेटी, महिला कंडक्टर, अग्निशामक यंत्र, लाइसेंस आदि के बारे में जानकारी प्रदान कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह जाँच लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्कूलों के प्रधानाचार्य यह कहकर अपनी गलती छिपाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके पास अपनी कोई वैन नहीं है। सभी वैन निजी ठेकेदारों द्वारा चलाई जा रही हैं, लेकिन सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के निर्देशों के अनुसार, बच्चों को सुरक्षित घर पहुँचाना स्कूल प्रबंधन की ज़िम्मेदारी है। इसलिए, सभी वैन को सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के अनुरूप बनाना स्कूल प्रबंधन की व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों को तिपहिया वाहनों या ऑटो-रिक्शा से लाने-ले जाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीम द्वारा नीति के निर्देशों के बारे में बार-बार जागरूक किए जाने के बावजूद, कई स्कूल नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, जिन पर अब सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला बाल संरक्षण इकाई से श्री रुपिंदर सिंह रंधावा, बाल संरक्षण अधिकारी लखा सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता गुरदीप सिंह, जिला परिवहन विभाग की बाल हेल्पलाइन से एस.वी. सिंह गिल, इंस्पेक्टर एएसआई गुरचरण सिंह (ट्रैफिक एजुकेशन सेल बरनाला), एएसआई दिवस सिंह, रमनदीप सिंह, हेड कांस्टेबल जसविंदर सिंह मुंशी और शिक्षा विभाग से श्री नीरज कुमार जांच दल का हिस्सा थे।

ड्रग इंस्पैक्टर ने मैडीकल स्टोर से 108 प्रेगाबलीन कैप्सूल किए बरामद

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): सेहत विभाग से ड्रग इंस्पैक्टर फिरोजपुर ने बीते दिन अपनी टीम के साथ 1 मेडीकल स्टोर से छापेमारी करके पाबंदीशुदा 108 प्रेगाबलीन के कैप्सूल बरामद किए है। उक्त मामलें में थाना सिटी की पुलिस ने ड्रग इंस्पैक्टर के बयान पर दो लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना सिटी फिरोजपुर के एएसआई शर्मा सिंह ने बताया कि पुलिस को दिए पत्र में ड्रग इंस्पैक्टर फिरोजपुर ने बताया कि बीते दिन उन्होंने साथी कर्मचारियों के साथ एम.एस ए.आर फार्मेसी भारत नगर खाई रोड टॉवर वाली गली से छापेमारी करके वहां से 108 कैप्सूल प्रेगाबलीन 300 एमजी बरामद किए है। मामले की जांच कर रहे शर्मा सिंह ने बताया कि उक्त मामलें में पुलिस ने अमन्द्रि सिंह को गिरफ्तार करके उसके और फर्म पार्टनर अंकिता के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

ओमेक्स चौक पर लगातार हो रहे हादसों के खिलाफ लोक हित मिशन का धरना, गमाडा ने एक सप्ताह में ट्रैफिक लाइट लगाने का दिया आश्वासन

डेली आवाज भारती



न्यू चंडीगढ़, (हरतेज सिंह तेजी,संदीप अकालगढ़िया) : न्यू चंडीगढ़ स्थित ओमेक्स चौक पर आए दिन हो रहे जानलेवा हादसों और प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ लोक हित मिशन (बीकेयू पंजाब) द्वारा जोरदार धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान गमाडा अधिकारियों और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मांग पत्र लिया और समस्या के जल्द समाधान का ठोस भरोसा दिया। धरने को संबोधित करते हुए मिशन नेता गुरमीत सिंह शांटू, रविंदर सिंह वजीदपुर, भगत सिंह भगत माजरा, हरजिंदर सिंह मुंधों, दर्शन सिंह नागरा, हरजिंदर सिंह देसूमाजरा और कुलवंत सिंह संगतपुरा ने कहा कि न्यू चंडीगढ़ का यह मुख्य चौराहा %ब्लैक स्पॉट% बन चुका है। यहां पहले भी कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और रोजाना वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने से राहगीर घायल हो रहे हैं। हाल ही में एक अनियंत्रित ट्राले की टक्कर से एक्टिवा सवार दो युवतियों की दर्दनाक मौत के बाद लोगों का आक्रोश फूट पड़ा, जिसके चलते मिशन कार्यकर्ताओं को सड़क पर उतरना पड़ा। धरने की सूचना मिलते ही गमाडा के अधिकारी और %आप% हलका प्रभारी परमिंदर गोल्डी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मिशन नेताओं से मांग पत्र स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर चौराहे पर ट्रैफिक लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। इस अवसर पर सरबजीत सिंह संगतपुरा, राजिंदर सिंह माजरा, रविंदर सिंह होशियारपुर, सतवीर सिंह सलामतपुर, तरलोचन सिंह तक्कीपुर, दविंदर सिंह पड़ोल, जसमिंदर सिंह पप्पा, सरपंच दलवीर सिंह मानकपुर, दारा माजरी और कुलवंत सिंह बूथगढ़ सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दाना मंडी जीरा में 17 लोगों ने लेबर का काम करने वाले व्यक्ति को मारपीट कर किया जख्मी

- पुलिस ने पीड़ित के बयान पर दो लोगों के साथ 15 अज्ञात लोगों पर दर्ज किया मामला

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना जीरा सदर की पुलिस ने बीते दिन दाना मंडी जीरा में लेबर का काम करने वाले व्यक्ति को मारपीट करके जख्मी करने वाले 17 लोगों के खिलाफ मारपीट करने की विभिन्न धाराओं तहत शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना जीरा सदर के एएसआई कुलवंत सिंह ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में शिकायतकर्ता रजिन्द्र सिंह पुत्र अजीत सिंह वासी वार्ड नंबर 12 मुहल्ला संत बाबा पूर्ण सिंह नजदीक ट्रक यूनियन जीरा ने बताया कि वह मंडी में लेबर का काम करते है और बीते दिन मंडी में ईकबाल सिंह पुत्र अमरीक सिंह व हीरा सिंह पुत्र दियाल सिंह वासी नूरपुर जीरा अपनी फसल लेकर आए और उसे ट्राली से उतारने के लिए कहने लगे, जिस पर पीड़ित ने कहा कि वह चाय पीकर धान उतार देंगे। लेकिन इस दौरान दोषी तेश में आ गए और उन्होंने 15 के करीब अन्य लोगों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की और उसे जख्मी कर दिया। मामले की जांच कर रहे कुलवंत सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त मामलें में दोषियों पर मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

हथियारों से लैस होकर डकैती की योजना नाते हुए तेजधार हथियार सहित 1 गिरफ्तार

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना घल्लखुर्द की पुलिस ने हथियारों से लैस होकर डकैती की योजना बना रहे 1 व्यक्ति को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 1 तेजधार हथियार बरामद किया है। उक्त मामलें में पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति सहित 6 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना घल्लखुर्द के एएसआई जसपाल सिंह ने बताया कि दोषी अविनाश सिसंह उर्फ हीरा पुत्र सतपाल सिंह वासी ईट्टांवाली और 6 अज्ञात व्यक्ति तेजधार हथियारों से लैस होकर डकैती करने की योजना बना रहे थे। जिस पर पुलिस ने अविनाश सिंह को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 1 कापा बरामद किया है। मामले की जांच कर रहे जसपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने अविनाश सहित 6 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

डी.ए.वी नेशनल हैंडबॉल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का स्कूल पहुंचने पर किया गया भव्य स्वागत



नैशनल हैंडबाल टूर्नामेंट में स्वर्ण पद्क जीतने वाले खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए स्कूल के प्रबंधक व समूह स्टाफ।

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): शाह बलवंत राय डी.ए.वी पब्लिक स्कूल तलवंडी भाई के लिए यह अत्यंत गर्व और खुशी की बात है कि स्कूल की होनहार खिलाड़ी कोमलप्रीत कौर, नवदीप कौर और गुरजोत कौर ने डी.ए.वी नेशनल स्पोर्ट्स टूर्नामेंट (राष्ट्रीय स्तर) नई दिल्ली में अंडर-19 हैंडबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। इसके साथही स्कूल के खिलाड़ी खुशदीप सिंह (अंडर-17) ने भी त्रिकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। मालूम हो कि इन खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने शारीरिक शिक्षा अध्यापकों धीरज शर्मा, राज कुमार और लखवीर सिंह के मार्ग दर्शन में भाग लिया और राष्ट्रीय स्तर पर यह उपलब्धि हासिल करने के बाद जब खिलाड़ी स्कूल पहुंचीं, तो स्कूल प्रबंधन और समूह स्टाफ की ओर से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों के गले में फूलों की मालाएं पहनाकर उन्हें सम्मानित किया गया और पूरे स्कूल में खुशी और गर्व का माहौल बना रहा। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन अमृत लाल छाबड़ा और प्रिंसिपल स.जसवीर सिंह ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पुलिस ने युवक की हत्या करने वाले 8 लोगों के खिलाफ दर्ज किया मामला

- मृतक के मामा के बयान पर पुलिस ने दोषियों के खिलाफ की कार्रवाई

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना फिरोजपुर सिटी की पुलिस ने युवक को जबरदस्ती से अपनी साथ ले जाकर तेजधार हथियारों से हमला करके उसकी हत्या करने वाले 6 लोगों के साथ-साथ दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या एवं अन्य धाराओं तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना सिटी फिरोजपुर के एस.आई सुखचैन सिंह ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में बलविन्द्र सिंह उर्फ बिंदू पुत्र रेशम सिंह वासी ईच्छेवाला गामे वाला ने बताया कि गुरदियाल सिंह उर्फ अनमोल उसका भांजा है और वह उसके साथ राजगिरी का काम करता था, शिकायतकर्ता ने बताया कि बीते दिन दोपहर के समय वह खड़ कालोनी में काम पर लगे हुए थे तो वहां पर काकी, उसका भाई दीपू पुत्र सता वासी गांव इच्छेवाला फिरोजपुर, चरनपाल उर्फ शैंटी पुत्र वीर, दोलत राम वासी बस्ती सुनवां वाली फिरोजपुर वहां मोटरसाईकिल पर आए और उसके भांजे गुरदियाल उर्फ अनमोल को धक्के से मोटरसाईकिल पर बैठाकर अपने साथ ले गए, शिकायतकर्ता ने बताया कि जब उसने दोषियों का पीछा किया तो बस्ती सुनवा वाली के नजदीक दोषियों ने तेजधार हथियारों से गुरदियाल सिंह पर हमला किया और उसकी तरफ से शोर मचाने पर दोषी वहां से फरार हो गए। जिसके बाद गुरदियाल सिंह को सिविल अस्पताल फिरोजपुर में दाखिल करवाया गया तो डाक्टरों ने गुरदियाल को मृतक घोषित कर दिया है।

जगत्तार सिंह हवारा को हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने बुधवार को जगत्तार सिंह हवारा की पैरोल याचिका पर सुनवाई की, लेकिन सुनवाई के दौरान उन्हें कोई राहत नहीं मिली। कोर्ट ने सभी संबंधित पक्षों को रजिस्ट्री में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। हालांकि, सुनवाई के दौरान कोई बहस नहीं हो सकी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी।

जगत्तार सिंह हवारा जेल में हैं क्योंकि उन्हें 1995 में पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मुख्य साजिशकर्ता के रूप में दोषी ठहराया गया था। हवारा को 21 सितंबर, 1995 को गिरफ्तार किया गया था। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में उन पर मुकदमा चला और उन्हें दोषी ठहराया गया। अपनी गिरफ्तारी के दिन से लेकर आज तक वे जेल में ही हैं; उन्हें जेल में बंद हुए 28 साल से अधिक समय हो चुका है। ट्रायल कोर्ट ने 27 मार्च, 2007 के अपने आदेश में हवारा को दोषी करार दिया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। बाद में, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने 12 अक्टूबर, 2010 के अपने आदेश में इस सजा को बदलकर आजीवन कारावास (जीवन भर के लिए जेल) में तब्दील कर दिया। इससे पहले अगस्त में, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्यपाल से मुलाकात की थी। उन्होंने मानवीय आधार पर जगत्तार सिंह हवारा को 10 दिन की पैरोल देने की सिफारिश की थी, जिसका कारण कैदी की मां की बिगड़ती हुई तबीयत बताई गई थी। मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि यह सिफारिश इसलिए की गई थी ताकि हवारा अपनी मां से मिल सकें, जिनसे वे तीन दशकों से भी अधिक समय से नहीं मिले हैं। हाल ही में जगत्तार सिंह हवारा को पैरोल देने के संबंध में एक सिफारिश की गई थी, ताकि मानवीय आधार पर उन्हें पैरोल मिल सके, क्योंकि उनकी मां की तबीयत ठीक नहीं है। मुख्यमंत्री मान ने कहा, ÷उनकी माँ की इच्छा है कि वे 31 साल बाद उनसे मिलें।÷ मुख्यमंत्री ने बताया कि चूँकि यह मामला केंद्र शासित प्रदेश (ञ) में चल रहा है, इसलिए केंद्र सरकार तक यह अनुरोध पहुँचाने में राज्यपाल की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, ÷आज मैंने राज्यपाल से मुलाकात की, क्योंकि यह मामला केंद्र शासित प्रदेश में चल रहा है, इसलिए इसमें राज्यपाल की अहम भूमिका होगी और इस विषय को केंद्र के पास भेजा जाएगा।

अमृतवेला प्रभात वैल्फेयर सोसायटी के मोहित कुमार अध्यक्ष एवं निर्मल अरोड़ा उपाध्यक्ष नियुक्त



अमृतवेला सोसायटी के चुने गए पदाधिकारी बैठक में जानकारी देते हुए।

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): अमृतवेला प्रभात वैल्फेयर सोसायटी के पदाधिकारियों की अहम बैठक बीते दिन हुई। जिसमें सर्वसम्मति से संस्था पदाधिकारियों की तरफ से मोहित कुमार (मिक्की) को सोसायटी का अध्यक्ष एवं निर्मल अरोड़ा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया। इसके साथ ही बैठक में सोसायटी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से फैसला लेते हुए सचिन नारंग को सोसायटी के विरोधी कार्य करने के लिए निष्काशित किया और बताया कि सचिन नारंग के साथ अब संस्था का कोई लिंक नहीं है। इस मौके पर राजेश सचदेवा महासचिव, विपन उप्पल व गुलशन चावला कैशियर, नरेश शर्मा चेयरमैन, प्रदीप चानना, संजीव सचदेवा, दीपक जोशी, अरुण नंदा, मनमोहन सियाल प्रेस सचिव, महिन्द्रपाल बजाज, राजीव नरुला, लोकेश तलवार आदि मौजूद थे।

पौने पांच साल पंजाब के एक भी विधायक ने पंजाब के ओबीसी समाज का हाथ नहीं पकड़ा:हरजिन्द्र हांडा

- मांगें मनवाने के लिए नेता विधायकों से बार-बार करते रहे अपीलें
- कहा केंद्र सरकार की गई सिफारिशों को भी पंजाब सरकार नहीं कर सकी लागू

ओबीसी विधायकों ने भी ओबीसी समाज को किया नजरअंजाद

डेली आवाज भारती



गुरुहरसहाय, (अमनदीप गिरधर): आजादी के बाद पंजाब के ओबीसी समाज को जितना अनदेखा मौजूदा पंजाब की आप सरकार द्वारा किया जा रहा है, इसकी मिसाल पंजाब के इतिहास में कहीं भी नहीं मिलती। भगवंत सिंह मान मुख्यमंत्री पंजाब की सोच पिछड़ी श्रेणियों के बिल्कुल विरुद्ध है। जिस कारण पंजाब का एक भी विधायक मुख्यमंत्री पंजाब के डर के कारण पंजाब के ओबीसी समाज की बाजू पकडने के लिए आगे नहीं आ रहा। यह विचार प्रगट व्यक्त करते हुए ओबीसी वेलफेयर फ्रंट पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष हरजिंदर हांडा ने कहा कि आज पंजाब का ओबीसी समाज पंजाब में लावारिस हो चुका है। उन्होंने कहा कि पंजाब के कुल 117 मौजूदा विधायकों में से लगभग 10 फीसदी विधायक ओबीसी समाज से संबंधित हैं, पर फिर भी बीते पिछले पौने पांच सालों के समय के दौरान किसी एक विधायक ने भी एक बार भी पंजाब के ओबीसी समाज की किसी एक मांग को भी विधानसभा में नहीं उठाने की हिम्मत नहीं की। प्रदेश अध्यक्ष हरजिंदर हांडा ने कहा ओबीसी वेलफेयर फ्रंट पंजाब के विभिन्न जिलों के नेताओं द्वारा पंजाब भर में विभिन्न विधायकों से संपर्क करके उनके सामने अपनी मांगें और मसले रख कर उनसे सहयोग मांगा जाता रहा है, पर बड़े दुख की बात है कि पंजाब के एक भी विधायक ने पंजाब के ओबीसी समाज की बाजू नहीं पकड़ी। हरजिंदर हांडा ने कहा कि ओबीसी वेलफेयर फ्रंट पंजाब के नेताओं द्वारा केंद्र सरकार के साथ पत्र व्यवहार करके केंद्र सरकार के सामने अपनी मांगें उठाई गई थीं, जिसके उपरांत केंद्र सरकार के नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेस के द्वारा हमारी मांगों से सहमत होते हुए मई 2024 में पंजाब सरकार को सिफारिशें कीं है कि पंजाब में ओबीसी समाज के लिए दाखिलों और नौकरियों में आरक्षण बढ़ाकर 25 फीसदी किया जाए। हरजिंदर हांडा ने कहा कि बड़े दुख की बात है कि केंद्र सरकार द्वारा की गई इस सिफारिश को भी पंजाब सरकार पंजाब में लागू करने से इनकार कर गई है। हरजिंदर हांडा ने कहा कि बड़े दुख की बात है कि ओबीसी वेलफेयर फ्रंट पंजाब द्वारा जो मांगें पिछली सरकारों से मनवाकर पंजाब में लागू करवाई गई थीं।

शहीद भगत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा इंजीनियरिंग छात्रों के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स पर विशेष लैक्चरार आयोजित



डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): वाइस चांसलर डा.सुरेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में शहीद भगत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी (एस.बी.एस.एस.यू) फिरोजपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के अधीन चल रही सोसायटी ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियर्स (सेलकॉम) द्वारा यूनिवर्सिटी के सी.वी रमन हॉल में मंगलवार को फॉम कैंपस टू कॉर्पोरेट एसेंशियल कम्युनिकेशन स्किल्स फॉर इंजीनियर्स विषय पर एक विशेषज्ञ लैक्चर आयोजित किया गया। इस दौरान चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली की सहायक प्रोफेसर सुश्री गार्गी वर्मा ने ऑनलाइन माध्यम से मुख्य भाषण दिया। उन्होंने छात्रों को कॉलेज से कॉर्पोरेट क्षेत्र में सुचारू रूप से प्रवेश करने के लिए प्रभावी बातचीत के कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स), इंटरव्यू के तरीके और पेशेवर तैयारी के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही उन्होंने प्रभावी रिज्यूमे तैयार करने, ग्रुप डिस्कशन और व्यक्तिगत इंटरव्यू में सफल होने के कई अहम बिंदु भी साझा किए।

page 4_Layout 1 28-10-2026 20:33 Page 1

स्कूल ऑफ एमिनेंस डेराबस्सी में 24 लाख रुपये की लागत से तीन साइंस लैबों के काम की शुरुआत





डेली आवाज भारती

डेराबस्सी:तरनप्रीत सिंह गिल : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में हलका विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने स्कूल ऑफ एमिनेंस डेराबस्सी में समग्र शिक्षा अभियान के तहत 24 लाख रुपये की लागत से फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की तीन लैबों के काम की शुरुआत करवाई। विधायक रंधावा ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की तरक्की की नींव है। पंजाब सरकार द्वारा स्कूल ऑफ एमिनेंस की पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, आधुनिक बुनियादी ढांचा और अपने सपनों को पूरा करने के अवसर प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन साइंस लैबों से विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल शिक्षा प्राप्त करने और वैज्ञानिक सोच विकसित करने में मदद मिलेगी। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में स्कूली शिक्षा के बुनियादी ढांचे में सुधार, आधुनिक तकनीक के उपयोग और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। सरकारी स्कूलों को बेहतर सुविधाओं से लैस करना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए ऐसे विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे। इस अवसर पर नगर परिषद डेराबस्सी के अध्यक्ष आशु उपनेजा, पार्षद नरेश उपनेजा, स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता शर्मा, स्कूल का समस्त स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पंजाब की जवानी बचाने के लिए नशे के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा कर रहा है अकाली दल वारिस पंजाब

नशा जातियों, धर्मों और मजहबों का लिहाज नहीं करता, यह पूरे समाज के लिए बड़ा खतरा है: शिवचरण सिंह भंगू

डेली आवाज भारती

कुराली, संदीप अकालगढ़िया : नशा जाति, धर्म, कौम और मजहब नहीं देखता, बल्कि यह परिवारों की खुशियों, माता-पिता के सपनों और पंजाब के भविष्य को अंदर से खोखला कर रहा है। इस सामाजिक बुराई के खिलाफ केवल बयानबाजी करने के बजाय जमीनी स्तर पर लोगों को लामबंद करने की जरूरत है। अकाली दल वारिस पंजाब की ओर से नशे के खिलाफ मुहिम शुरू करते हुए युवाओं को जागरूक करने और उन्हें इस बुराई से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इन विचारों का प्रकटावा अकाली दल वारिस पंजाब के पुआध जोन के कार्यालय सचिव शिवचरण सिंह भंगू ने कुराली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए किया। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब की जवानी इसी तरह नशे की भेंट चढ़ती रही, तो इसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल एक मुद्दे या औपचारिक मुहिम तक सीमित



रखने के बजाय इसे जन आंदोलन का रूप देना समय की मुख्य जरूरत है। भंगू ने कहा कि नशे की समस्या को केवल कानून-व्यवस्था से जोड़कर नहीं देखा जा सकता, बल्कि इसके सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक पहलुओं को भी गंभीरता से समझना होगा। नशा तस्करी के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ नशे से प्रभावित लोगों का इलाज, पुनर्वास और युवाओं के लिए सकारात्मक अवसर पैदा करना भी जरूरी है। उन्होंने सांसद भाई अमृतपाल सिंह की ओर से नशे के खिलाफ शुरू की गई मुहिम का जिक्र करते हुए कहा कि नशे जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के खिलाफ लोगों को जागरूक करना और समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाना इस मुहिम के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों को गांवों, शहरों, गलियों और मोहल्लों तक ले जाने की जरूरत है, ताकि नशे के घातक प्रभावों के बारे में हर परिवार को जागरूक किया जा सके और युवाओं को इस दलदल से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा सके। भंगू ने कहा कि अकाली दल वारिस पंजाब सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर लोगों को जागरूक करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहने का संकल्प रखता है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा का वास्तविक उद्देश्य लोगों की समस्याओं को समझना, जरूरतमंदों का सहारा बनना, युवाओं को सही दिशा देना और समाज में आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करना है।

एलआईसी इंडिया ने रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट कैंप का किया आयोजन

डेली आवाज भारती

बरनाला/गोपाल। बरनाला के उपायुक्त श्री हरप्रीत सिंह के कुशल मार्गदर्शन और निर्देशों के तहत, बरनाला जिले के बेरोजगार उम्मीदवारों को अधिकतम रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, जिला रोजगार एवं व्यापार ब्यूरो बरनाला, एलआईसी इंडिया के समन्वय से गुरुवार, 29 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जिला रोजगार एवं व्यापार ब्यूरो, डीसी कॉम्प्लेक्स, बरनाला की दूसरी मंजिल पर एक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन कर रहा है। उक्त कंपनी महिला करियर एजेंट (आयु सीमा 18 से 75 वर्ष, केवल महिलाएं, 10वीं उत्तीर्ण), ग्रामीण करियर एजेंट (आयु सीमा 18 से 50 वर्ष, महिला और पुरुष दोनों, 10वीं उत्तीर्ण) और शहरी करियर एजेंट (आयु सीमा 18 से 50 वर्ष, महिला और पुरुष दोनों, 12वीं उत्तीर्ण) के पदों के लिए भर्ती कर रही है। दिव्यांग उम्मीदवार भी इन पदों के लिए साक्षात्कार दे सकते हैं। अनुभवी और नए, दोनों ही उम्मीदवारों पर विचार किया जाएगा।

साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा, आधार कार्ड और शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र लाना होगा। अधिक जानकारी के लिए, जिला रोजगार एवं व्यापार ब्यूरो बरनाला की हेल्पलाइन 94170-39072 पर संपर्क करें।

खेतों में जाकर युवक व उसके पिता को मारपीट करके किया जख्मी

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना तलवंडी भाई की पुलिस ने गांव हराज में बाप-बेटे को मारपीट करके जख्मी करने वाले 4 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना तलवंडी भाई के एएसआई गुरबिन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में शिकायतकर्ता हरप्रीत सिंह पुत्र गुरमीत सिंह पुत्र शमशेर सिंह वासी गांव हराज ने बताया कि बीते दिन दोषी पुष्पिन्द्र सिंह पुत्र गुरदीप सिंह वासी हराज ने 3 अज्ञात लोगों के साथ मिलकर खेतों में घूसकर पीड़ित व उसके पिता के साथ बुरी तरह से मारपीट की थी और उन्हें मारने की धमकियां देने के बाद दोषी वहां से फरार हो गए थे। मामले की जांच कर रहे गुरबिन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त मामलें में दोषियों पर मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

जनगणना 2027 के दूसरे चरण के लिए प्रशिक्षण जारी

जनगणनाकर्मियों और पर्यवेक्षकों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया जा रहा है : डीसी हरप्रीत सिंह

- अतिरिक्त उपायुक्त विवेक कुमार मोदी ने प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया

डेली आवाज भारती



बरनाला/नवीन काली। जिले में जनगणना 2027 के दूसरे चरण को सुचारू और सफल ढंग से संपन्न कराने के लिए गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों के लिए तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्रक्रिया चल रही है। जानकारी देते हुए बरनाला के उपायुक्त श्री हरप्रीत सिंह ने बताया कि जनगणना के इस महत्वपूर्ण चरण की तैयारियों के लिए जिले के पांच अलग-अलग स्थानों पर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं। नए बैच के लिए आज से शुरू हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण बरनाला के सीनियर सेकेंडरी स्कूल (सन्धु पट्टी), बाबा गंधा सिंह पब्लिक स्कूल बरनाला, यूनिवर्सिटी कॉलेज ढिलवान, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल टापा और गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल भादौर में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगले बैच का प्रशिक्षण 2 नवंबर से 4 नवंबर तक चलेगा। उपायुक्त ने बताया कि इन सभी केंद्रों पर अनुभवी फील्ड प्रशिक्षक सभी पर्यवेक्षकों और गणनाकर्ताओं को जनसंख्या जनगणना की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दे रहे हैं। प्रशिक्षक जमीनी स्तर पर डेटा संग्रह, प्रपत्रों को सही ढंग से भरने और तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं ताकि फील्ड में काम के दौरान कोई समस्या न आए।

अज्ञात कार चालक की टक्कर से जख्मी हुए व्यक्ति की हुई मौत

- पुलिस ने मृतक की बेटी के बयान पर अज्ञात कार चालक पर दर्ज किया मामला

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना सिटी फिरोजपुर की पुलिस ने कुछ दिन पहले शहर के उधम सिंह चौक में हुई सडे दुर्घटना में जख्मी हुए व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो जाने के बाद मृतक की बेटी के बयान पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना सिटी फिरोजपुर के एएसआई आयूब मसीह ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में शिकायतकर्ता रुबी पत्नी चरनजीत सिंह वासी कोटकपुरा रोड बाई पास मुक्तसर हाल आबाद कच्चा थादे वाला रोड नीयर नामदेव नगर गली नंबर 1 ने बताया कि उसका पिता प्रमोद कुमार पुत्र रतन लाल वासी नंबर 130 गली नंबर 5 धवन कालोनी फिरोजपुर दोपहर का खाना खाने के बाद घरेलु सामान लेने के लिए बाजार गया था और उसके पिता ने उसे फोन किया कि उसे उधम सिंह चौक के नजदीक किसी अज्ञात कार चालक ने लापरवाही से टक्कर मार दी है और उसे काफी चोटें लगी है। इसके साथ ही कार चालक फरार हो गया है और उसने उसका नंबर नहीं देखा है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके पिता को आल इंडिया मैडीकल इंसीच्यूट आफ साइंस बठिंडा में रैफर किया गया था, जहां पर उसके पिता की उपचार के दौरान मौत हो गई है। मामले की जांच कर रहे अयूब मसीह ने बताया कि पुलिस ने रुबी के बयान पर अज्ञात कार चालक पर मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

दयालपुरा सोढियां के आयुष अस्पताल में विशेष आयुष कैंप आयोजित

कैंप के दौरान 215 मरीजों की हुई मुफ्त जांच और बांटी दवाइयां

डेली आवाज भारती

जीरकपुर:तरनप्रीत सिंह गिल : निदेशक आयुर्वेद एवं होम्योपैथी पंजाब के दिशा-निर्देशों अनुसार बुधवार को सरकारी आयुष अस्पताल, दयालपुरा सोढियां में एक विशेष आयुष मुफ्त स्वास्थ्य कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। जानकारी देते हुए डॉ. जपनीत शर्मा ने बताया कि कैंप के दौरान विभिन्न बीमारियों से पीड़ित कुल 215 मरीजों की चिकित्सीय जांच के उपरांत उन्हें आयुर्वेदिक दवाइयां मुफ्त वितरित की गई, जबकि 80 मरीजों को होम्योपैथिक प्रणाली के माध्यम से मुफ्त दवाइयां प्रदान की गई। इसके अलावा मरीजों की



शारीरिक स्थिति और बीमारियों की जांच के लिए विशेष टेस्ट भी किए गए। उन्होंने बताया कि कैंप में 65 मरीजों का बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट कर उनकी हड्डियों की मजबूती की जांच की गई। इसके साथ ही 60 अन्य मरीजों की शुगर, ब्लड प्रेशर, खांसी, बुखार, दमा, पाचन तंत्र से संबंधित विकार, स्त्री रोग और त्वचा रोगों की गहनता से जांच की गई और आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों को आयुर्वेद और होम्योपैथी के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि यह प्राचीन और प्राकृतिक चिकित्सा प्रणालियां बीमारियों को जड़ से खत्म करने में बेहद लाभदायक साबित होती हैं। उन्होंने लोगों को अपनी दैनिक जीवनशैली में सुधार करने और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्थानीय निवासियों ने स्वास्थ्य विभाग के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की और भविष्य में भी ऐसे कैंप आयोजित करने की मांग की। इस मौके पर डॉ. जपनीत शर्मा, डॉ. मनीषा सिंगला, डॉ. नवदीप ने मरीजों की जांच करने और फार्मेसी अधिकारी सुनीता ने दवाइयां बांटने की सेवाएं निभाई।

जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता के रूप में पंजीकृत करने के लिए विशेष शिविर

- बरनाला विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों में 30 अक्तूबर तक शिविर आयोजित किए जाएंगे

गवर्नमेंट कॉलेज सहित 5 संस्थानों में शिविर आयोजित

डेली आवाज भारती

बरनाला/नवीन काली: पंजाब राज्य चुनाव आयोग के निर्देशों के तहत और जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हरप्रीत सिंह के नेतृत्व में, विधानसभा क्षेत्र बरनाला के 103 में विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) के अंतर्गत नए मतदाताओं और पात्र मतदाताओं के पंजीकरण के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत, विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में विशेष शिविर आयोजित



किए जा रहे हैं ताकि उन युवाओं का पंजीकरण किया जा सके जो 1 जनवरी 2027 तक 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हों या कर लेंगे। जानकारी देते हुए चुनाव रजिस्ट्रेशन अधिकारी बरनाला कम एसडीएम बरनाला डॉ. अजीतपाल सिंह चाहल ने बताया कि आज यह विशेष कैंप सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज बड़बर एस.डी. में आयोजित किए गए हैं। कॉलेज बरनाला, एस.डी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन बरनाला, एस.डी. कॉलेज ऑफ फार्मेसी बरनाला और एल.बी.एस. कॉलेज बरनाला. उन्होंने बताया कि 29 अक्टूबर को सरकारी आईटीआई (लड़कियां) बरनाला और सरकारी आईटीआई धनौला रोड बरनाला, 30 अक्टूबर को एसएसडी कॉलेज संघेड़ा रोड बरनाला और एसडीएसएसएस बरनाला में आयोजित किया जा रहा है। निर्वाचन अधिकारी ने यह भी कहा कि यदि कोई नव पंजीकृत मतदाता शिविर के दिन स्कूल या कॉलेज में उपस्थित नहीं है, तो वह संबंधित बूथ अधिकारी से संपर्क करके प्रपत्र संख्या 6 भर सकता है। उन्होंने स्कूल और कॉलेज प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे शिविर की तिथि से पहले छात्रों को प्रपत्र संख्या 6 के साथ आवश्यक दस्तावेजों के बारे में सूचित करें ताकि कोई भी पात्र युवा अपना वोट डालने से वंचित न रह जाए।

दिल्ली के आंदोलन: चुनाव सुधारों की लड़ाई या विपक्षी दलों की राजनीतिक लामबंदी?

– प्रो. सरचंद सिंह ख्याला

दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रॅक्र) के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों ने एक व्यापक राजनीतिक बहस छेड़ दी है। मूल सवाल यह है कि क्या ये आंदोलन केवल चुनाव सुधारों और मतदाताओं के अधिकारों तक सीमित हैं, या कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (ष्टक्र), वामपंथी दल, ष्टछ्वक्रऔर छात्र संगठन इन्हें केंद्र सरकार के खिलाफ एक व्यापक राजनीतिक अभियान का रूप दे रहे हैं?

इसका उत्तर केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से नहीं, बल्कि आंदोलनों की मांगों, नेतृत्व, गतिविधियों और उपलब्ध तथ्यों की पड़ताल से ही मिल सकता है। लोकतंत्र में विरोध करना अधिकार है, लेकिन लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर चलने वाली हर राजनीतिक गतिविधि को स्वत: निष्पक्ष मान लेना भी उचित नहीं है।

चुनाव सुधार: आरोपों से अधिक जरूरी हैं सबूत : मतदाता सूचियों की शुद्धता स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की बुनियाद है। किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से काटा जाना गंभीर मामला है और उसे न्याय मिलना चाहिए। इसी तरह मतदाता सूचियों में मौजूद त्रुटियों की पहचान कर कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें ठीक करना भी निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था के लिए आवश्यक है। विपक्ष का आरोप है कि स्क्रॅक्रके जरिए बड़ी संख्या में मतदाताओं को उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है। यदि ये आरोप सबूतों से सही साबित होते हैं, तो जांच और सुधार अनिवार्य हैं। लेकिन केवल बड़े पैमाने पर नाम काटे जाने का आरोप लगा देना चुनाव आयोग की नीयत पर अंतिम फैसला सुनाने के लिए पर्याप्त नहीं है। जनता को स्पष्ट जवाब मिलने चाहिए—कितने नाम हटाए गए? उनमें से कितने पात्र मतदाता प्रभावित हुए? गलत तरीके से नाम हटाए जाने की शिकायतों के निवारण और मताधिकार बहाल करने की क्या व्यवस्था है? भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को सौंपता है। आयोग की कार्यप्रणाली की जांच और आलोचना हो सकती है, लेकिन उसकी निष्पक्षता पर निष्कर्ष राजनीतिक नारों के बजाय तथ्यों के आधार पर निकाले जाने चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है। लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी पर आरोप लगाना और उसे पद से हटाने के लिए ठोस कानूनी या संवैधानिक आधार प्रस्तुत करना दो अलग-अलग बातें हैं।

यदि हर विवादित फैसले का जवाब इस्तीफे की मांग और सड़क पर संघर्ष हो, तो संस्थागत जवाबदेही की जगह राजनीतिक दबाव हावी हो सकता है। इसके साथ ही चुनाव आयोग की भी जिम्मेदारी है कि वह अपनी प्रक्रियाओं के बारे में विश्वसनीय जानकारी सार्वजनिक करे और जायज आशंकाओं का तथ्यों के साथ समाधान करे। असली कसौटी यह है कि मांगों का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया में सुधार लाना है या किसी संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ राजनीतिक माहौल तैयार करना। इसका आकलन आरोपों के समर्थन में उपलब्ध सबूतों और मांगों के कानूनी आधार से होना चाहिए।

विपक्षी एकजुटता: साझा मुद्दा या राजनीतिक लामबंदी?

दिल्ली में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, ष्टछ्वकऔर ष्टछ्व जैसे वामपंथी दलों का स्क्रॅक्र और चुनाव आयोग के मुद्दे पर एक साथ आना



राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। ष्टछ्व की मानव श्रृंखला, अन्य प्रदर्शन और कांग्रेस की प्रस्तावित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली इस मुद्दे को व्यापक जनमंच तक ले जाने के प्रयास के रूप में देखे जा सकते हैं। कांग्रेस और क्रकई राजनीतिक मैदानों में एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी रही हैं, जबकि वामपंथी दलों की अपनी अलग वैचारिक पहचान है। इसके बावजूद चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ साझा मुद्दों पर उनका एक मंच पर आना दिखाता है कि समान राजनीतिक उद्देश्य अलग-अलग हितों वाले दलों को एकजुट कर सकते हैं। निस्संदेह, किसी साझा मांग का होना अपने आप में किसी साजिश का प्रमाण नहीं है। लेकिन यह पूछना जायज है कि इन आंदोलनों से राजनीतिक लाभ किसे मिल रहा है, इनका नेतृत्व कौन कर रहा है और इनकी मांगें किस हद तक किसी व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन रही हैं।

ष्टमर्धुरिम्यक्कऔर युवाओं के मुद्दे: एजेंडा कौन तय कर रहा है?

ष्टछ्वक्कने खुद को हृश्वश्वञ्च परीक्षा में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक, बेरोजगारी, भर्ती प्रक्रिया और शिक्षा सुधार जैसे युवाओं से जुड़े मुद्दे उठाने वाले मंच के रूप में पेश किया। बाद में मतदाता सूचियों जैसे मुद्दे भी इसके एजेंडे में शामिल हुए। AISA और SFI जैसे वामपंथी छात्र संगठनों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों की मंच पर भागीदारी से यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या आंदोलन की प्राथमिकताएं युवाओं की समस्याओं के समाधान तक सीमित हैं या इसे एक व्यापक राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसका जवाब पाने के लिए यह देखना जरूरी है कि आंदोलन की मांगें कौन तय करता है, फैसले कौन लेता है, प्रचार की दिशा कौन निर्धारित करता है और युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए कौन-से ठोस प्रस्ताव पेश किए जाते हैं। यह भी संभव है कि कांग्रेस, AAP और वामपंथी दलों को CJP के मंच से केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी बात रखने का राजनीतिक लाभ मिल रहा हो। यह लाभ महज परिस्थितिजन्य है या आंदोलन की दिशा निर्धारित करने में उसकी कोई भूमिका है—इसका आकलन आंदोलन के वास्तविक आचरण और घोषित उद्देश्यों के आधार पर होना चाहिए।

आंदोलन की फंडिंग और विदेशी संबंध: पारदर्शिता अनिवार्य

CJP का आंदोलन सोशल मीडिया से सड़कों तक पहुंचा है। लंबे समय तक आंदोलन चलाने के लिए परिवहन, आवास, भोजन, प्रचार सामग्री, डिजिटल अभियान और कानूनी सहायता पर खर्च होता है। इसलिए आंदोलन की वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता एक जायज सार्वजनिक मांग है। CJP के नेतृत्व को स्पष्ट करना चाहिए कि आंदोलन का खर्च कौन उठा रहा है, चंदा किन स्रोतों से मिल रहा है, क्या खर्च का हिसाब सार्वजनिक है और धन के इस्तेमाल की निगरानी के लिए क्या व्यवस्था है। सहायता केवल नकद राशि के रूप में ही नहीं, बल्कि डिजिटल विज्ञापन, वीडियो निर्माण, ऑनलाइन प्रचार, परिवहन, आवास और अन्य सेवाओं के रूप में भी मिल सकती है। यदि किसी विशेष विदेशी या अघोषित स्रोत से सहायता मिलने के विश्वसनीय प्रमाण सामने आते हैं, तो उसके स्रोत, मूल्य, उद्देश्य और कानूनी स्थिति की जांच होनी चाहिए। पारदर्शिता की मांग करना विरोध के अधिकार पर हमला नहीं, बल्कि सार्वजनिक जवाबदेही की बुनियादी शर्त है। CJP से संबंधित चर्चाओं में विदेशी समर्थन और खालिस्तान समर्थक तत्वों की ओर से सहायता की कथित पेशकशों को लेकर भी सवाल उठे हैं। इनमें सिख्स फॉर जस्टिस (SFJ) से जुड़े गुरपतवंत सिंह पन्नू का नाम भी चर्चा में आया है।

इन दावों को बिना प्रमाण स्थापित तथ्य नहीं माना जाना चाहिए। फिर भी, जहां विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध हो, वहां स्पष्ट जवाब जरूरी हैं।

CMYK

page 5_Layout 1 28-10-2026 20:23 Page 1

सतिंदर सरताज के कार्यक्रम में साउंड सिस्टम लगाने वाले चार लोगों की मौत, कीरतपुर साहिब में हादसा

कीरतपुर साहिब के पास देहणी गांव में गहरी खाई में गिरी गाड़ी, क्रेन की मदद से निकाले गए शव; रोपड़ लौट रहे थे सभी

डेली आवाज भारती



कुल्लू/कीरतपुर साहिब : अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की सांस्कृतिक संध्या में पंजाबी सूफी गायक सतिंदर सरताज की प्रस्तुति ने हजारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। लेकिन इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे साउंड सिस्टम से जुड़े कर्मचारियों के लिए वापसी का सफर जिंदगी का आखिरी सफर बन गया। कुल्लू दशहरा उत्सव में साउंड सिस्टम की सेवाएं देने के बाद पंजाब लौट रहे चार लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। दर्दनाक हादसा चंडीगढ़-कुल्लू-मनाली मुख्य मार्ग पर पंजाब में कीरतपुर साहिब के निकट देहणी गांव के पास हुआ। साउंड सिस्टम का सामान लेकर जा रही गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन सवार चारों लोगों की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और राहत दलों ने बचाव अभियान शुरू किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुई गाड़ी रोपड़ के पंजाब साउंड सिस्टम समूह से संबंधित थी। इसमें सवार लोग अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान आयोजित पंजाबी गायक सतिंदर सरताज के कार्यक्रम में साउंड सिस्टम लगाने की जिम्मेदारी निभाने के बाद वापस लौट रहे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी अपने सामान के साथ पंजाब के रोपड़ की ओर रवाना हुए थे। इसी दौरान देहणी गांव के पास वाहन हादसे का शिकार हो गया। प्रारंभिक जानकारी में वाहन के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है।

हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। गाड़ी गहरी खाई में गिरने के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके चलते उसमें फंसे लोगों को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण रहा। हादसे की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव कार्य के लिए मशीनों की मदद ली गई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त गाड़ी से चारों लोगों के शव बाहर निकाले गए। इसके बाद शवों को श्री आनंदपुर साहिब स्थित भाई जैता जी सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

चार परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

इस हादसे ने चार परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। कुल्लू दशहरा जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन में तकनीकी सेवाएं देने के बाद घर लौट रहे इन लोगों के साथ रास्ते में हुई दुर्घटना ने उत्सव की चकाचौंध के पीछे काम करने वाले कर्मचारियों की मुश्किलों को भी सामने ला दिया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कलाकारों की प्रस्तुति के साथ साउंड, लाइट और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की अहम भूमिका होती है। इन व्यवस्थाओं को संभालने वाले कर्मचारियों को कई बार लंबे समय तक काम करने और देर रात यात्रा करने की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, इस हादसे में दुर्घटना की वजह क्या रही, यह पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। कीरतपुर साहिब पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के कारणों और मृतकों से संबंधित शेष विवरणों की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

घर-घर जाकर लोगों की खुशियों में शामिल हुए संजीव खन्ना, बांटे मिठाइयों और पटाखों के डिब्बे

- लोगों के सुख-दुख में परिवार की तरह शामिल होकर दिल को मिलता है सुकून

डेली आवाज भारती



जीरकपुरःतरनप्रीत सिंह गिल : दिवाली के त्योहार के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और डेराबस्सी हलका प्रभारी संजीव खन्ना ने हलके के विभिन्न गांवों में घर-घर जाकर लोगों को मिठाइयों और पटाखों के डिब्बे बांटे। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद और बीपीएल परिवारों के घरों में पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल पूछा और दिवाली की बधाई दी। संजीव खन्ना ने कहा कि दिवाली की असली खुशी सिर्फ अपने घर में त्योहार मनाने में नहीं, बल्कि दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाने में मिलती है। इसी मकसद से उन्होंने हलके के गांवों में घर-घर मिठाइयों और पटाखों के डिब्बे पहुंचाने का अभियान शुरू किया, ताकि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी परिवार त्योहार की खुशियों से वंचित न रहे।

लोगों के सुख-दुख में शामिल होना मेरी जिम्मेदारीः खन्ना

संजीव खन्ना ने कहा, डेराबस्सी हलका मेरे लिए सिर्फ राजनीतिक क्षेत्र नहीं, बल्कि मेरा अपना परिवार है। जिस तरह हम अपने परिवार के सदस्यों के सुख-दुख में शामिल होते हैं, उसी तरह मुझे भी हलके के लोगों की खुशियों और समस्याओं में शामिल होना अच्छा लगता है। लोगों का दुख-दर्द बांटने और उनके चेहरों पर मुस्कान देखकर मेरे दिल को सच्चा सुकून मिलता है। उन्होंने कहा कि राजनीति से बढ़कर इंसानियत और समाज सेवा महत्वपूर्ण है। उनका प्रयास हर जरूरतमंद परिवार तक त्योहार की खुशियां पहुंचाना है। उन्होंने हलका वासियों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि लोगों के साथ उनका यह पारिवारिक रिश्ता और सेवा का सिलसिला भविष्य में भी जारी रहेगा।

पंजाब सरकार का दावा—माधोपुर हेडवर्क्स से पाकिस्तान को नहीं छोड़ा पानी

- बाढ़ के दौरान जम्मू-कश्मीर की नदियों और बरसाती धाराओं से बढ़ता है रावी में जलप्रवाह

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। पंजाब में नदी जल के मुद्दे पर जारी चर्चा के बीच राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि माधोपुर हेडवर्क्स से पाकिस्तान की ओर पानी नहीं छोड़ा गया। जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने पंजाब विधानसभा में कहा कि बाढ़ के दौरान सीमा पार जाने वाले अतिरिक्त पानी का बड़ा हिस्सा जम्मू-कश्मीर से आने वाली उज्ज नदी और अन्य बरसाती धाराओं के माध्यम से रावी नदी में पहुंचता है। मंत्री ने बताया कि उज्ज, बसंतर और तरनाह जैसी नदियां तथा धाराएं मानसून के दौरान अतिरिक्त पानी लेकर आती हैं। ये जलधाराएं माधोपुर हेडवर्क्स से नीचे रावी नदी में मिलती हैं, जिसके बाद पानी का प्रवाह पाकिस्तान की ओर हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रवाह के लिए पंजाब को जिम्मेदार ठहराने से पहले पानी के वास्तविक स्रोत और परिस्थितियों की जांच की जानी चाहिए। गोयल के अनुसार, पंजाब सरकार ने वर्ष 2022 से अब तक भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) को कम से कम 10 पत्र लिखकर इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखा है। सरकार का कहना है कि बाढ़ के दौरान पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी के स्रोत को लेकर स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है।

अतिरिक्त पानी को सहेजने पर जोर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बाढ़ के दौरान बहने वाले अतिरिक्त पानी को केवल विवाद का विषय बनाने के बजाय उसके संरक्षण और उचित प्रबंधन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने मकोड़ा पत्तन क्षेत्र में परियोजना विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि पानी का बेहतर उपयोग किया जा सके। पंजाब सरकार का कहना है कि राज्य में कृषि और सिंचाई की जरूरतों को देखते हुए उपलब्ध जल संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। अब इस मुद्दे पर संबंधित एजेंसियों के तकनीकी आंकड़ों और आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

पंजाब विधानसभा में जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रखने का प्रस्ताव पारित

महिलाओं की आर्थिक सहायता, मुफ्त बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं सहित कई योजनाओं को जारी रखने पर जोर

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के 27 अक्टूबर को हुए सत्र के अंतिम दिन राज्य में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं और लोगों को मिलने वाली आर्थिक सहायता को बिना रुकावट जारी रखने के पक्ष में प्रस्ताव पारित किया गया। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया कि राज्य के संसाधनों का उपयोग लोगों को आर्थिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और घरेलू खर्चों में राहत देने के लिए किया जाना चाहिए। प्रस्ताव में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया कि इन योजनाओं से महिलाओं, किसानों, जरूरतमंद परिवारों और आम लोगों को सहायता मिल रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि आर्थिक सहायता से परिवारों को घरेलू खर्च चलाने, खेती से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने और अचानक आने वाले चिकित्सा खर्चों का सामना करने में मदद मिलती है। प्रस्ताव के अनुसार, मुख्यमंत्री मावां-धियां सत्कार योजना के तहत 80 लाख से अधिक महिलाओं का पंजीकरण किया गया है। इसमें पात्र महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये और अनुसूचित जाति की पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता देने का उल्लेख किया गया। प्रस्ताव में घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना का भी उल्लेख किया गया। इसमें दावा किया गया कि वर्ष 2022 से पंजाब के 90 प्रतिशत से अधिक घरेलू परिवारों के बिजली बिल शून्य रहे हैं। इसके साथ ही कृषि ट्यूबवेलों के लिए मुफ्त बिजली की सुविधा को किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहायता बताया गया। राज्य सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत प्रति परिवार सालाना 10 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य उपचार कवर का उल्लेख किया गया। इसके अलावा, प्रस्ताव के अनुसार पंजाब में 1,244 आम आदमी क्लीनिकों के माध्यम से लगभग दो करोड़ मरीजों को सेवाएं दी जा चुकी हैं। इन क्लीनिकों का उद्देश्य लोगों को नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना और इलाज पर होने वाले निजी खर्च को कम करना है।

अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र

प्रस्ताव में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, खाद्य सहायता, विवाह सहायता और धार्मिक यात्राओं से जुड़ी योजनाओं का भी उल्लेख किया गया। सदन में कहा गया कि इन सुविधाओं को जारी रखने से जरूरतमंद परिवारों को भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहारा मिलता है। वित्त मंत्री ने विभिन्न राजनीतिक दलों से जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर अपना रुख स्पष्ट करने की अपील की। प्रस्ताव में मौजूदा योजनाओं को बंद करने संबंधी बयानों पर चिंता जताई गई। अंततः सदन में प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हुआ। इस दौरान कांग्रेस और भाजपा के विधायक सदन में मौजूद नहीं थे।

मानसा में युवक की मौत के बाद तनाव, प्रदर्शन स्थल पर ले जा रहे शव को पुलिस ने कब्जे में लिया

परिजनों ने नशे की ओवरडोज का जताया संदेह, न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन तेज

डेली आवाज भारती



मानसा। पंजाब के मानसा जिले में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद तनाव की स्थिति पैदा हो गई। परिजन और प्रदर्शनकारी युवक का शव नशे के खिलाफ आंदोलन चला रहे परमिंदर सिंह झोटा के धरना स्थल पर ले जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया, जिसके बाद मौके पर तनाव बढ़ गया। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, मृतक की पहचान दलजीत सिंह के रूप में हुई है, जो भम्मे कलां गांव का रहने वाला था। परिवार को संदेह है कि उसकी मौत नशीले पदार्थों की ओवरडोज के कारण हुई। परिजनों का आरोप है कि वह मंगलवार सुबह मानसा गया था और बाद में रमानंदी के निकट खेतों में मृत मिला। युवक की मौत की खबर फैलने के बाद परिजन और कुछ प्रदर्शनकारी शव को झोटा के नेतृत्व में चल रहे नशा विरोधी धरने पर ले जाना चाहते थे। इसी दौरान पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। इस कार्रवाई के बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई।

मौत के कारणों की जांच जरूरी

परिवार ने युवक की मौत के पीछे नशे की ओवरडोज होने का संदेह जताया है, लेकिन मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम और जांच रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस की कार्रवाई और परिजनों की मांगों को लेकर आगे की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पंजाब में नशे के खिलाफ चल रहे अभियानों के बीच यह घटना एक बार फिर युवाओं में नशे की समस्या और संदिग्ध मौतों की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता को सामने लाती है।

पंजाब में कानून-व्यवस्था पर हरभजन सिंह ने जताई चिंता, सरकार से पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। राज्यसभा सदस्य और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने पंजाब की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब में जो हो रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। हरभजन सिंह ने लिखा, ÷पंजाब में जो हो रहा है उसे देखकर गहरी चिंता हो रही है। बार-बार हो रही घटनाएं अहम सवाल खड़े करती हैं, जिनका जवाब पंजाब सरकार को गंभीरता और तत्परता से देना चाहिए। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को जनता के प्रति पारदर्शी और जवाबदेह होना चाहिए। पंजाब सरकार का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों की रक्षा करे और पुलिस को कानून का पालन करते हुए सार्वजनिक सुरक्षा और हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। पंजाब के लोग शांति, गरिमा और न्याय के हकदार हैं। आइए हमारे पंजाब के भविष्य की रक्षा के लिए एकजुट हों।÷ बता दें कि इन दिनों पंजाब में कानून-व्यवस्था और ड्रग्स के मुद्दे को लेकर सियासत तेज है। यह मुद्दा बेहद संवेदनशील और चर्चा का केंद्र बना हुआ है। हाल ही में मानसा जिले में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हत्या ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके अलावा दिरबा में एक पिता द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने जैसी घटना के बाद भी हालात पर सवाल उठे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि राज्य आज नशे, गैंगस्टरवाद और संगठित अपराध के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। इसी बीच अमृतसर में श्री अकाल तख्त साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी गुरमुख सिंह ने भी नशे के बढ़ते खतरे पर चिंता जताई है।

चंडीगढ़-अंबाला फ्लाईओवर पर बार-बार टूट रही ड्रेनेज लाइन बनी वाहन चालकों के लिए परेशानी

टूटी ड्रेन के पास रखे नीले ड्रम बढ़ा रहे हादसों का खतरा, अस्थायी मरम्मत की जगह स्थायी समाधान की मांग

डेली आवाज भारती



जीरकपुरःतरनप्रीत सिंह गिल : चंडीगढ़-अंबाला फ्लाईओवर पर ड्रेनेज लाइन का बार-बार टूट रहा ढांचा वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। पिछले एक साल के दौरान फ्लाईओवर बनाने वाली कंपनी कई बार इसकी मरम्मत कर चुकी है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। ड्रेन टूटने और अस्थायी मरम्मत के कारण जहां राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, वहीं हाईवे पर जगह-जगह रखे नीले प्लास्टिक के ड्रम भी हादसों का खतरा बढ़ा रहे हैं। ड्रेनेज सिस्टम की यह समस्या केवल फ्लाईओवर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हाईवे के अन्य हिस्सों में भी ड्रेन की हालत बेहद खराब है। बार-बार की मरम्मत के बावजूद स्थायी समाधान न होने से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हाईवे पर जिन स्थानों पर ड्रेनेज सिस्टम क्षतिग्रस्त हुआ है, वहां लोगों को सचेत करने के लिए नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम रखे गए हैं। हालांकि ये ड्रम खतरे से आगाह करने के लिए रखे गए हैं, लेकिन रात के समय कम रोशनी के कारण वाहन चालकों को ये दिखाई नहीं देते, जिससे टक्कर होने का डर बना रहता है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए ये अस्थायी इंतजाम बेहद जोखिम भरे साबित हो रहे हैं।

अस्थायी पैचवर्क नहीं, चाहिए पक्का समाधान

हाईवे पर ड्रेनेज की जर्जर हालत को देखते हुए अब मांग उठ रही है कि फ्लाईओवर और अन्य हिस्सों में बनी ड्रेन का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए। जिन स्थानों पर ढांचा कमजोर है, वहां टिकाऊ मरम्मत या जरूरत के अनुसार दोबारा निर्माण किया जाए। इसके अलावा जब तक काम पूरा नहीं होता, खतरे वाले स्थानों पर स्पष्ट संकेतक और सुरक्षित बैरिकेडिंग लगाई जाए ताकि वाहन चालकों को रोज-रोज के इस खतरे से राहत मिल सके।

पंजाब विधानसभा में नदी जल अधिकारों पर पांच प्रस्ताव पारित

यमुना के पानी में हिस्सेदारी की मांग, राजस्थान से 1.44 लाख करोड़ रॉयल्टी लेने का दावा

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा ने राज्य के नदी जल अधिकारों और सिंचाई व्यवस्था से जुड़े पांच महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए। इन प्रस्तावों में यमुना नदी के पानी में पंजाब की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने, राजस्थान से पंजाब के नदी जल के बदले रॉयल्टी की मांग करने, तीन प्रमुख सिंचाई हेडवर्क्स का नियंत्रण पंजाब को देने और केंद्र सरकार से बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 को वापस लेने की मांग शामिल है। जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने विधानसभा में ये प्रस्ताव पेश किए। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब अपने जायज जल अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा और राज्य के हितों की रक्षा के लिए कानूनी तथा संवैधानिक रास्ते अपनाए जाएंगे। विधानसभा में पारित प्रस्ताव में पंजाब के लिए यमुना नदी के पानी में उचित हिस्सेदारी की मांग की गई। राज्य सरकार का तर्क है कि 1966 में पंजाब के पुनर्गठन से पहले यमुना अविभाजित पंजाब से जुड़ी रही थी, लेकिन बाद में पानी के बंटवारे में पंजाब को शामिल नहीं किया गया। प्रस्ताव में केंद्र सरकार से इस मामले पर निर्णय लेने और जरूरत पड़ने पर जल विवाद न्यायाधिकरण गठित करने की मांग की गई। सरकार के अनुसार, पंजाब में भूजल पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए नहरी पानी की उपलब्धता बढ़ाना जरूरी है। विधानसभा ने सतलुज, रावी और ब्यास नदियों के पानी की आपूर्ति के बदले राजस्थान से भुगतान की मांग वाला प्रस्ताव भी पारित किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि पंजाब का बकाया रॉयल्टी दावा लगभग 1.44 लाख करोड़ रुपये है। राज्य सरकार का कहना है कि पंजाब से मिलने वाले पानी का इस्तेमाल राजस्थान में सिंचाई, पेयजल और अन्य जरूरतों के लिए किया जाता है। ऐसे में पानी की लागत और भुगतान के मुद्दे पर फैसला होना चाहिए।

हालांकि, यह राशि पंजाब सरकार का दावा है; इसे अदालत या संबंधित सरकारों द्वारा तय बकाया राशि नहीं माना जाना चाहिए। विधानसभा ने रूपनगर, हरिके और फिरोजपुर के सिंचाई हेडवर्क्स का प्रशासनिक नियंत्रण पंजाब को सौंपने की मांग भी उठाई। राज्य सरकार का तर्क है कि ये ढांचे पंजाब के क्षेत्र में स्थित हैं और बाढ़ प्रबंधन तथा सिंचाई संबंधी फैसलों में स्थानीय परिस्थितियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। एक अन्य प्रस्ताव में केंद्र सरकार से बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 को निरस्त करने की मांग की गई। पंजाब सरकार का कहना है कि इस कानून से बांधों के संचालन और प्रबंधन में राज्यों के अधिकार प्रभावित होते हैं।

पाकिस्तान की ओर बहने वाले रावी के पानी के इस्तेमाल पर जोर

विधानसभा ने रावी नदी के उस पानी का उपयोग करने के लिए परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की मांग की, जो माधोपुर हेडवर्क्स के नीचे से पाकिस्तान की ओर बह जाता है। प्रस्ताव में उझ बहुउद्देशीय परियोजना को प्राथमिकता देने और रावी-ब्यास लिंक परियोजना पर काम करने की अपील की गई।

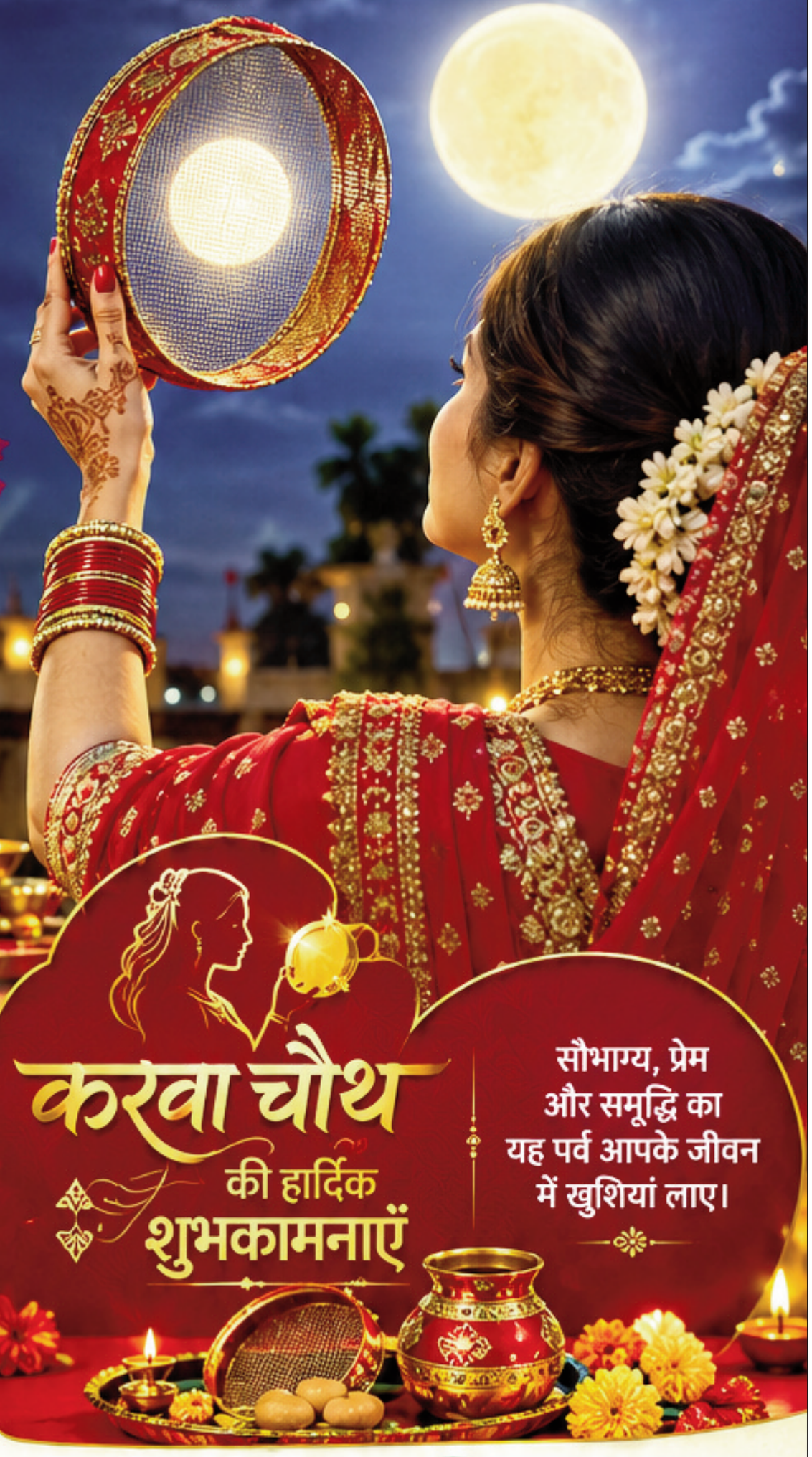
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक - रीतू रानी। संस्थापक (फाउंडर) एवं स्थानीय संपादक (पंजाब) - हेमन्त मित्तल। चेयरमैन- श्रवण कुमार खरींटा । मैनेजिंग डायरेक्टर - धीरज महाजन , क्राइम आवाज इंडिया के लिए उन्हीं के द्वारा डेली आवाज भारती, बी-4/935, बैक साइड शिव मठ, राधा स्वामी स्ट्रीट बरनाला से प्रकाशित। सेनरा प्रिंटिंग प्रेस, भुटाना मोर, नजदीक ओल्ड पुलिस चौंकी, जी. टी रोड, नीलोखेरी, करनाल, हरियाणा - 132117 से मुद्रित। दूरभाष- प्रेस कार्यालय - 01762-505507 E-mail: dailyawazbharti@gmail.com, रजि. नं पीबीएचआईएन/26/ए2687 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा उनसे उत्पन्न समस्त विवाद बरनाला न्यायालय के अधीन होंगे।

CMYK

करवा चौथ पर विशेष

सरगी से पूजा तक जानें सही समय,

सुबह भद्रा को लेकर बरतें सावधानी



करवा चौथ सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखने वाला पर्व है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ निर्जला व्रत रखती हैं। व्रत की शुरूआत सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करने के साथ होती है। परंपरा के अनुसार, सास अपनी बहू को सरगी देती हैं, जिसमें फल, मिठाइयां और अन्य खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। दिनभर व्रत रखने के बाद महिलाएं शाम को करवा चौथ की पूजा करती हैं। और रात में चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत खोलती हैं।

इस साल करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर, गुरुवार को रखा जाएगा।

इस अवसर पर सरगी ग्रहण करने से लेकर पूजा और चंद्र दर्शन तक के समय का विशेष महत्व रहेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, सुबह भद्रा की अवधि भी बताई गई है। ऐसे में व्रत रखने वाली महिलाओं के लिए सरगी, पूजा के मुहूर्त और चंद्रोदय के समय की जानकारी उपयोगी हो सकती है।

करवा चौथ पर सरगी कब खाएं?

करवा चौथ की परंपरा में सरगी का विशेष स्थान है। महिलाएं सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करती हैं और इसके बाद निर्जला व्रत शुरू करती हैं। आमतौर पर सरगी में फल, मिठाइयां और ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल किए जाते हैं, जिन्हें खाने के बाद महिलाएं दिनभर व्रत रखती हैं।

भद्रा का समय

29 अक्टूबर की सुबह
6 बजकर 25 मिनट से 6 बजकर 46 मिनट
तक (लगभग 21 मिनट)

इस दोंरान सरगी खाने से बचें और श्रृंगार व पूजा जैसे कार्यों में सावधानी बरतें। हालाँकि, महिलाएं अपने स्थानीय पंचांग और पारिवारिक परंपराओं का ध्यान रखें।

करवा चौथ पूजा का शुभ मुहूर्त

शाम के समय करवा माता की पूजा और व्रत कथा सुनने की परंपरा है। इस साल **29 अक्टूबर को** शाम **5 बजकर 48 मिनट से 6 बजकर 56 मिनट** तक पूजा और कथा के लिए शुभ समय बताया गया है। इस अवधि में महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार करवा माता की पूजा कर सकती हैं और व्रत कथा सुन सकती हैं। पूजा की तैयारी करते समय स्थानीय पंचांग में दिए गए मुहूर्त की जानकारी लेना उचित रहेगा।



करवा चौथ पर चंद्रोदय कब होगा?

करवा चौथ के व्रत में चंद्रमा के दर्शन का विशेष महत्व है। **29 अक्टूबर** को रात **8 बजकर 15 मिनट** के बाद चंद्रमा के निकलने की संभावना बताई गई हैं। चंद्र दर्शन के बाद महिलाएं अर्घ्य देने और पति की लंबी उम्र तथा सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण करके व्रत खोलती हैं। कई परिवारों में छलनी से चंद्रमा और फिर पति का चेहरा देखने की परंपरा भी निभाई जाती हैं। ध्यान रखें: चंद्रोदय का समय सभी शहरों में एक जैसा नहीं होता, इसलिए अपने शहर का स्थानीय समय अवश्य देखें।

करवा चौथ पर इन बातों का रखें ध्यान

- सरगी, पूजा और चंद्र दर्शन से जुड़े समय की जानकारी पहले से रखें।
- सुबह भद्रा को लेकर बताई गई मान्यताओं के अनुसार अपनी पारिवारिक परंपरा और स्थानीय पंचांग का ध्यान रखें।
- शाम की पूजा के लिए निधार्रित समय में पूजा और कथा की तैयारी पूरी कर लें।
- चंद्र दर्शन के लिए केवल सामान्य समय पर निर्भर न रहें, बल्कि अपने शहर का स्थानीय समय जांचें।

परंपरा का सम्मान करें, व्रत का फल पाएं।

करवा चौथ — प्रेम, विश्वास और अटूट रिश्तों का पर्व

page 7_Layout 1 28-10-2026 15:56 Page 1

चक्रवात अर्नब: दक्षिण बंगाल में भारी बारिश का अलर्ट, कोलकाता में पांच उड़ानें रद्द

डेली आवाज भारती



कोलकाता । आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब के दस्तक देने के बीच पश्चिम बंगाल में भी इसका असर दिखने लगा है। हालांकि, राज्य में अब तक चक्रवात का प्रभाव सीमित रहा है, लेकिन भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो दिनों में दक्षिण बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और कई जिलों में गरज-चमक के साथ तूफान की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को दक्षिण बंगाल के चार जिलों दक्षिण 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम में भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण बंगाल के अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के अधिकांश जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। गुरुवार को कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में गरज-चमक के साथ तूफान आने की संभावना जताई गई है। शुक्रवार से मौसम में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, पूर्व बर्दवान, बीरभूम, मुर्शिदाबाद और नदिया जिलों में गरज-चमक को लेकर येलो अलर्ट जारी रहेगा। चक्रवात का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा है। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंडिगो की पांच उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें शहर में आने वाली तीन और यहां से रवाना होने वाली दो उड़ानें शामिल हैं। पूर्व मेदिनीपुर जिले में मंगलवार दोपहर कुछ इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। बुधवार सुबह से ही कांथी और रामनगर समेत तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलने की खबर है। बंगाल की खाड़ी में समुद्र का जलस्तर सामान्य से काफी ऊपर बना हुआ है, जिसके मद्देनजर प्रशासन ने एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं। ताजपुर और शंकरपुर के आसपास के तटीय इलाकों में सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए लोगों को सतर्क किया जा रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर समुद्र में नहाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मौसम विभाग ने उत्तर बंगाल के जिलों में भी प्रतिकूल मौसम की आशंका जताई है। गुरुवार और शुक्रवार को दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। उत्तर बंगाल के शेष जिलों में गरज-चमक के साथ तूफान को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि लगातार बारिश के कारण उत्तर बंगाल के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो सकता है। ऐसे में लोगों को मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने और तटीय तथा पहाड़ी क्षेत्रों में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

बैलेट पेपर हो या ईवीएम, नतीजा एक जैसा

28 एमएलसी सीटों पर कांग्रेस का खाता नहीं खुला: प्रह्लाद जोशी

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को विधान परिषद चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बैलेट पेपर हो या ईवीएम, कांग्रेस के लिए नतीजा एक जैसा ही है। उन्होंने कहा कि देश के चार राज्यों में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस लगातार 'वोट चोरी' का आरोप लगाती है और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाती है। लेकिन जब चुनाव परिणाम उसके पक्ष में नहीं आते, तो वह व्यवस्था को दोष देने लगती है। उन्होंने खास तौर पर कर्नाटक का जिक्र किया, जहां कांग्रेस सत्ता में है। इसके बावजूद पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और उसका एक मौजूदा विधान परिषद सदस्य भी अपनी सीट नहीं बचा सका। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस अक्सर चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को लेकर सवाल उठाती है। लेकिन इस बार बैलेट पेपर से मतदान होने के बावजूद पार्टी को जीत नहीं मिली। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बैलेट पेपर हो या ईवीएम, परिणाम वही रहा। गौरतलब है कि कर्नाटक में विधान परिषद की चार सीटों पर हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन ने सभी सीटों पर जीत दर्ज की। इनमें बेंगलुरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की वह सीट भी शामिल है, जिस पर पहले कांग्रेस के पुट्टन्ना का कब्जा था। जनता दल (सेक्युलर) के उम्मीदवार ए.पी. रंगनाथ ने पुट्टन्ना को 908 मतों से हराया है। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि चुनाव में हार मिलने पर कांग्रेस व्यवस्था पर सवाल उठाती है, लेकिन बहाने बनाने से जनता के फैसले को छिपाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों ने कांग्रेस के आरोपों पर सवाल खड़े किए हैं। गौरतलब है कि इन चुनावों में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता शामिल होते हैं। इन नतीजों को चारों राज्यों के समूचे मतदाताओं की राय नहीं माना जा सकता। फिर भी, 28 सीटों पर कांग्रेस का खाता नहीं खुलना पार्टी के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका है।

मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा ने हरदीप सिंह पुरी को बनाया उम्मीदवार



नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी के इस फैसले के बाद राज्यसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। हरदीप सिंह पुरी केंद्र सरकार में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। राज्यसभा उपचुनाव के लिए उनकी उम्मीदवारी की घोषणा भाजपा की ओर से की गई है। चुनाव की आगे की प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरी की जाएगी।

अश्विनी वैष्णव ने ब्लूमबर्ग को दिया जवाब

कहा- मोबाइल पीएलआई से सरकार को मिली 3 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली । केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ब्लूमबर्ग द्वारा भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पर उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मोबाइल फोन के लिए लाई गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से देश में बड़े स्तर कर आय और रोजगार सृजित हुए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक पोस्ट में, वैष्णव ने कहा कि मोबाइल पीएलआई प्रोग्राम से सरकार और अर्थव्यवस्था को काफी फायदा हुआ है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, सरकार ने इस योजना के तहत 19,000 करोड़ रुपए के इंसेंटिव दिए हैं, जबकि इस सेक्टर से प्रत्यक्ष कर संग्रह 25,000 करोड़ रुपए और जीएसटी संग्रह 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। केंद्रीय मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर से पैदा हुए रोजगार पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग से फिलहाल लगभग 25 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है, जिसमें से अकेले मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग से करीब 12 लाख नौकरियां जुड़ी हैं। वैष्णव का यह बयान ब्लूमबर्ग के एक विश्लेषण के जवाब में आया है, जिसमें सवाल उठाया गया था कि क्या चीन की तरह इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में सफलता पाने की भारत की कोशिश से अपेक्षित आर्थिक लाभ मिल पाएंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि भले ही भारत स्मार्टफोन (आईफोन सहित) के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरा है, लेकिन देश अभी भी प्रोसेसर, मेमोरी चिप, बैटरी और कैमरा लेंस जैसे आयातित पुर्जों पर काफी हद तक निर्भर है।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 2033 तक 44 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली । भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र आर्थिक विकास, निजी निवेश और औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ाने में लगातार महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसके साथ ही देश के वैज्ञानिक और रणनीतिक उद्देश्यों को भी मजबूती मिल रही है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 44 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। यह जानकारी बुधवार को जारी सरकारी फैक्टशीट में दी गई। फैक्टशीट में कहा गया कि न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) ने भारतीय उद्योग को इसरो द्वारा विकसित 83 प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित करने के लिए 118 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके परिणामस्वरूप निवेशकों का भरोसा भी बढ़ रहा है। 31 मार्च 2026 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप में कुल निवेश लगभग 618.5 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि भारत की उभरती अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियां न केवल देश की क्षमताओं को आगे बढ़ा रही हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए उद्यम आधारित एक मजबूत अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था भी तैयार कर रही हैं। भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्पैडेक्स मिशन के जरिए भारत कक्षा में दो अंतरिक्ष यानों की स्वायत्त डॉकिंग हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश भी बन गया। वहीं, गगनयान मिशन भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान संबंधी लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है। सितंबर 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) के विकास को मंजूरी दी थी। इसके लिए स्वीकृत 8,240 करोड़ रुपए की राशि में विकास लागत, तीन विकासात्मक उड़ानें, आवश्यक सुविधाएं, कार्यक्रम प्रबंधन और प्रक्षेपण अभियान शामिल हैं। एनजीएलवी को पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में अधिकतम 30 टन तक का भार ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी क्षमता भारत के मौजूदा प्रक्षेपण यान एलवीएम3 की 10 टन की एलईओ क्षमता से तीन गुना अधिक होगी। इसके अलावा, अंतरिक्ष तक कम लागत में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एनजीएलवी का आंशिक रूप से पुन: उपयोग योग्य संस्करण विकसित किया जा रहा है, जो एलईओ में 14 टन तक का भार ले जा सकेगा। इसकी पुन: उपयोग की सुविधा से अंतरिक्ष तक पहुंचने की लागत भी कम होगी।

दिल्ली के पीतमपुरा में फायरिंग, लॉरेंस बिश्नोई गैंग की भूमिका की जांच कर रही पुलिस

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली । उत्तर-पश्चिम दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में बुधवार को ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना सामने आई है। गनीमत रही कि अंधाधुंध गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ है। गोली दीवार और कार पर लगी है। गोलीबारी की यह घटना बुकी साहिल जैन उर्फ गूगल के घर पर की गई है। साहिल जैन पर अवैध कॉल सेंटर के कारोबार का भी आरोप है। साहिल जैन को कथित तौर पर वर्ष 2021 में लारेंस बिश्नोई ने खुद कॉल करके धमकी दी थी। लारेंस बिश्नोई का साहिल जैन को धमकी देने वाला ऑडियो भी वायरल हुआ था। गोलीबारी की घटना की जांच में पुलिस जुट गई है। इस घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि दो शूटर ताबड़तोड़ गोलियां चला रहे हैं। सीसीटीवी में देखा जा सकता है कि दो शूटर बाइक पर आते हैं, उसके बाद एक शूटर घर की तरफ टारगेट करके कई राउंड गोलियां चलाते दिखाई दे रहा है। इसके बाद दोनों शूटर पार्किंग में खड़ी कार पर फायरिंग करके फरार हो गए। आरोपियों की ओर से कुल 6 राउंड गोलियां चलाई गई हैं। पुलिस जांच कर रही है कि गोलियां क्या लारेंस बिश्नोई गैंग के लोगों ने चलाई हैं या किसी और गैंग का हाथ है। सूत्रों के मुताबिक रंगदारी मांगने के लिए फायरिंग का शक है। पुलिस के मुताबिक, साहिल 2019 में दुबई में शिफ्ट हो गया था और कुछ समय पहले जुलाई में ही वह भारत वापस आया है। इससे पहले 5 अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी दिल्ली जिला की स्पेशल स्टाफ की टीम ने उस्मानपुर यमुना खादर में देर रात मुठभेड़ के दौरान लॉरेंस बिश्नोई और रसीद केवल गैंग से जुड़े 2 अपराधियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी थी। आरोपियों की पहचान वसीम और कैफ के रूप में हुई थी। पुलिस ने बताया था कि दोनों अपराधियों ने 2 अक्टूबर को भजनपुरा क्षेत्र में एक व्यापारी से रंगदारी मांगी थी। साथ ही, उन्होंने हवाई फायरिंग की थी।

नई दिल्ली: पुलिस ने 23 वर्षीय चोर को गिरफ्तार किया, चार बाइक बरामद

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के शाहदरा जिले के एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने एक 23 वर्षीय ऑटो-लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जिस पर कई टू-व्हीलर चोरी और स्नैचिंग के मामलों में शामिल होने का आरोप है। अधिकारियों की ओर से बुधवार को जानकारी दी गई कि पुलिस ने चार चोरी की गाड़ियां भी बरामद कीं और शाहदरा, सेंट्रल और साउथ जिलों में मोटर वाहन चोरी के चार मामले सुलझाए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान रितेश उर्फ पीयूष टिंकू के तौर पर हुई है, जो दिल्ली के पहाड़गंज का रहने वाला है। उसे 24 अक्टूबर को दिलशाद गार्डन-गाजियाबाद डीएलएफ कैरिजवे पर एक पेट्रोल पंप के पास से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के वक्त आरोपी के पास कथित तौर पर एक मोटरसाइकिल मिली थी। पुलिस वेरिफिकेशन से पता चला कि 18 सितंबर को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के पटेल नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक ई-एफआईआर में मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दी गई थी। शाहदरा डिस्ट्रिक्ट में हाल ही में हुई टू-व्हीलर चोरी की रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने यह ऑपरेशन शुरू किया।

दिल्ली में ग्रैप-1 के बीच फर्जी नो-एंट्री परमिट पर 3 कमर्शियल वाहनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली । दिल्ली में ग्रैप-1 लागू होने के बाद बॉर्डर इलाकों में चलाए गए विशेष अभियान में फर्जी नो-एंट्री परमिशन (एनईपी) का मामला सामने आया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की नॉर्दर्न रेंज की टीम ने 3 कमर्शियल वाहनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई डीसीपी ट्रैफिक, नॉर्दर्न रेंज, डॉ. सचिन कुमार सिंघल, आईपीएस के निर्देश पर की गई। 27 अक्टूबर को नॉर्दर्न रेंज के बॉर्डर क्षेत्रों में कमर्शियल वाहनों की जांच के लिए स्पेशल ड्राइव चलाई गई थी। जांच के दौरान तीन कमर्शियल वाहन ऐसे मिले, जो फर्जी एनईपी का इस्तेमाल कर रहे थे। इसके बाद संबंधित लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(2)/340(2) के तहत संबंधित थानों में तीन एफआईआर दर्ज की गईं। वाहनों को संबंधित लोगों समेत आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए लोकल पुलिस को सौंप दिया गया। वाहन नंबर डीएल1एलएसी3219, एनईपी नंबर 2211202553084061 ड्राइवर का नाम विक्रम (38) है। इस मामले में थाना अलीपुर में बीएनएस की धारा 318(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। दूसरे मामले में वाहन नंबर डीएल1एलएक्यू4160, एनईपी नंबर 10112025स्295772 है। ड्राइवर/मालिक का नाम संतोष है। थाना अलीपुर में बीएनएस की धारा 318(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। तीसरे मामले में वाहन नंबर डीएल1एलएजी4982, एनईपी नंबर 19012023स्165940 है।

एलआईसी ने निकाली सतर्कता जागरूकता रैली

डेली आवाज भारती



भारतीय जीवन बीमा निगम, लुधियाना मंडल द्वारा आज सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत एक भव्य और प्रभावशाली सतर्कता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। वरिष्ठ मंडल प्रबंधक श्री भँवर लाल सुथार की अगुवाई में आयोजित इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज और संस्थाओं में ईमानदारी, पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार मुक्त संस्कृति को बढ़ावा देना था। एलआईसी की इन्वेस्टमेंट बिल्डिंग 'जीवन प्रगति' से आरंभ हुई इस रैली का नेतृत्व मंडल के मार्केटिंग मैनेजर श्री जे.के. रैना और प्रबंधक (कार्मिक) श्रीमती रमा भट्टाचार्जी ने संयुक्त रूप से किया। रैली मे एक सौ से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों और कर्मठ अभिकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रैली के दौरान सत्यनिष्ठा से समृद्धि के मूल संदेश को रेखांकित करते हुए एलआईसी के पारिवारिक सदस्य तख्तियों और बैनरों के माध्यम से जन-चेतना का प्रसार कर रहे थे । भ्रष्टाचार मिटाना है, देश को आगे बढ़ाना है, कदम से कदम मिलाए जा, भ्रष्टाचार मिटाए जा, एक, दो, तीन, चार, एलआईसी की जय जयकार, जब तक सूरज-चाँद रहेगा, एलआईसी का नाम रहेगा , जैसे गगनभेदी नारों के साथ भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण से जुड़े गूंजते नारों ने सुबह की सैर कर रहे आम नागरिकों को भी बेहद प्रभावित किया और उन्हें ईमानदारी के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ मंडल प्रबंधक श्री भँवर लाल सुथार ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्र निर्माण और वित्तीय अनुशासन के लिए सत्यनिष्ठा सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अभिकर्ताओं को अपने दैनिक जीवन और कार्यप्रणाली में उच्च नैतिक मूल्यों को अपनाने की शपथ दिलाई। यह रैली निगम की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके तहत एलआईसी पारदर्शिता और जन-विश्वास को सर्वोपरि रखती है। अपने बहुमूल्य पॉलिसीधारकों के अटूट विश्वास पर आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि एलआईसी एक भ्रष्टाचार मुक्त सरकारी संस्थान है और एलआईसी ने सदैव प्रथम पंक्ति में रह कर

महाकाल की नगरी पहुंची भूमि पेडनेकर

बोलीं-खुद को शिव के चरणों में किया समर्पित

डेली आवाज भारती



मुंबई । अभिनेत्री भूमि पेडनेकर हाल ही में उज्जैन स्थित महाकाल के दर्शन करने गई थीं। बुधवार को अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने खुद को पूरी तरह से महाकाल के चरणों में समर्पित कर दिया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की कुछ खास तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। अभिनेत्री ने लिखा, ÷महाकाल के सामने खुद को बस समर्पण कर दिया। जय श्री महाकाल। हैप्पी दीपावली।÷ अभिनेत्री का पोस्ट फैंस और उनके इंडस्ट्री के दोस्तों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। कई सेलेब्स और जानी-मानी हस्तियों ने अभिनेत्री के पोस्ट पर कमेंट कर प्रतिक्रिया भी दी। श्री महाकाल (भगवान महाकालेश्वर) मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में स्थित भगवान शिव का एक अत्यंत प्रसिद्ध और पवित्र ज्योतिर्लिंग है। महाकाल की मूर्ति दक्षिण की ओर मुख किए हुए है, जो इसे सभी 12 ज्योतिर्लिंगों में अद्वितीय और तांत्रिक परंपरा के अनुसार विशेष बनाती है।

यह शिवलिंग मनुष्य द्वारा स्थापित नहीं किया गया है बल्कि यह अपने आप प्रकट (स्वयंभू) हुआ है। मान्यता है कि बाबा महाकाल उज्जैन के राजा हैं और उनकी मर्जी के बिना यहां कोई दूसरा राजा या शासक रात नहीं रुकता। मुख्य मंदिर तीन स्तरों पर बना है। सबसे नीचे (तहखाने में) महाकाल, पहली मंजिल पर ओंकारेश्वर और दूसरी (शीर्ष) मंजिल पर नागचंद्रेश्वर का मंदिर है।

अभिनेत्री की आगामी फिल्म की बात करें, तो वह निर्देशक संदीप सिंह की आगामी दो-भागों वाली ऐतिहासिक फिल्म %द प्राइड ऑफ भारत= छत्रपति शिवाजी महाराज% में नजर आएंगी। इसमें वह कर्नाटक की निडर और वीर योद्धा रानी बेलावाड़ी मल्लम्मा की भूमिका निभाएंगी। फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा के स्टार ऋषभ शेट्टी छत्रपति शिवाजी महाराज की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इनके अलावा फिल्म में अर्जुन रामपाल, विवेक ओबेरॉय और शेफाली शाह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं। यह ऐतिहासिक फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

CMYK

page 8_Layout 1 28-10-2026 22:08 Page 1

मानसा में युवक की मौत के बाद शव कब्जे में लेने की कार्रवाई

'आप' सरकार के नशा विरोधी अभियान की खोली पोलः बीबी अमनजोत कौर रामूवालिया

डेली आवाज भारती



चण्डीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सदस्य, बीबी अमनजोत कौर रामूवालिया ने मानसा के भम्मे कलां गांव में दलजीत सिंह नामक युवक की मौत पर गहरा दुख जताया है। माना जा रहा है कि उसकी मौत ड्रग्स की ओवरडोज़ के कारण हुई है। इसके बाद, जब परिवार ने न्याय की मांग की, तो उन्हें चुप कराने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि पंजाब के युवाओं की जान बचाने में विफल रही आम आदमी पार्टी (आप) सरकार, अब जनता के गुस्से का सामना करने से बच नहीं सकती। उन्होंने बताया कि जब मृतक का परिवार और ग्रामीण सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए शव को मानसा ले जाना चाहते थे, तब पुलिस द्वारा शव को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई ने लोगों के गुस्से को और भड़का दिया। सरकार को यह समझना चाहिए कि जनता के विरोध को दबाने से नशा संकट हल नहीं होगा। सरकार की मुख्य जिम्मेदारी है कि वह नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, नशीले पदार्थों की आपूर्ति रोके और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाए। बीबी रामूवालिया ने कहा कि भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने पंजाब को नशा-मुक्त बनाने के बड़े-बड़े वादे किए थे। हालांकि, अगर वास्तव में नशीले पदार्थों की आपूर्ति रोकने और इस धंधे में शामिल लोगों को सजा दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं, तो सरकार को जनता के सामने ठोस नतीजे पेश करने चाहिए। पंजाब में कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन कोई भी नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने में सफल नहीं हो पाई। उन्होंने जोर देकर कहा कि नशे के कारण पंजाब के युवाओं की जान जाना और परिवारों का बर्बाद होना, कोई मामूली या आम बात नहीं है। सरकार का यह कर्तव्य है कि वह पूरे नशा तस्करी नेटवर्क की जांच करे, दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए कानूनी कार्रवाई करे और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाए। बीबी रामूवालिया ने कहा कि पंजाब की जनता एक सुरक्षित भविष्य और जवाबदेह शासन चाहती है, न कि ईमानदारी का दिखावा करने वाले पोस्टर। जो सरकार नशीले पदार्थों को खत्म करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी, उसे अब उन सभी परिवारों को जवाब देना चाहिए, जिनके घर नशे की समस्या के कारण बर्बाद हो रहे हैं।

दशमेश खालसा कॉलेज में छह दिवसीय रोजगार एवं लाइफ स्किल्स प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न



- महिंद्रा एंड महिंद्रा के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में 40 छात्राओं ने लिया हिस्सा

डेली आवाज भारती

जीरकपुरःतरनप्रीत सिंह गिल, : दशमेश खालसा कॉलेज, जीरकपुर में महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी के सहयोग से आयोजित छह दिवसीय रोजगार एवं लाइफ स्किल्स प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। 21 से 28 अक्टूबर तक चले इस कार्यक्रम में कॉलेज की 40 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. करमबीर सिंह की अगुवाई और प्लेसमेंट कमेटी की कन्वीनर डॉ. वंदना की देखरेख में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। इस दौरान नंदी फाउंडेशन की ओर से पहुँची मुख्य ट्रेनर मिस शिखा ने छात्राओं को कम्यूनिकेशन स्किल्स, बॉडी लैंग्वेज, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, इंटरव्यू की तैयारी, सकारात्मक सोच और प्रभावी संवाद के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के आखिरी दिन छात्राओं ने वीडियो और छोटी-छोटी क्लिप्स के माध्यम से वर्कशॉप के दौरान सीखी गई बातों को खूबसूरती से प्रस्तुत किया और अपने अनुभव साझा किए। छात्राओं ने बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें आत्मविश्वास के साथ बोलने, अपने विचार प्रभावी ढंग से रखने और अपनी आंतरिक योग्यताओं को पहचानने में बड़ी मदद मिली है।

ओमेक्स चौक पर हादसों के खिलाफ राजनीतिक दलों व स्थानीय लोगों का फूटा गुस्सा, दिया धरना

गमाडा ने एक सप्ताह में ट्रैफिक लाइटें लगाने का दिया भरोसा

डेली आवाज भारती



न्यू चंडीगढ़, (हरतेज सिंह तेजी):न्यू चंडीगढ़ स्थित ओमेक्स चौक पर आए दिन हो रहे जानलेवा हादसों और प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ विभिन्न राजनीतिक पार्टियों एवं इलाके के लोगों ने मिलकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पंजाब सरकार और गमाडा (GMADA) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रशासन की लगातार अनदेखी के कारण इस चौराहे पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। यहां ट्रैफिक लाइटें और स्पीड ब्रेकर न होने से अब तक कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि दर्जनों गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। हाल ही में एक अनियंत्रित ट्रॉले की चपेट में आने से एक्टिवा सवार दो युवतियों की दर्दनाक मौत के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया, जिसके बाद लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए। प्रदर्शनकारियों ने मांग रखी कि मृतक युवतियों के परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक है, इसलिए सरकार को पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरी और उचित मुआवजा तुरंत देना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने दो-टूक कहा कि न्यू चंडीगढ़ का यह मुख्य चौराहा पूरी तरह 'ब्लैक स्पॉट' में तब्दील हो चुका है, लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी नींद सो रहा है।

पंजाब में भीषण सड़क हादसाः बाइक सवार भाई की मौके पर मौत, बहन की हालत गंभीर

संगरूर। संगरूर के उपली चट्ठे के नजदीक एक %छोटे हाथी% (मिनी कमर्शियल वाहन) और मोटरसाइकिल के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक और घायल दोनों स्थानीय शहर संगरूर के ही निवासी बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विजय वालिया अपनी बहन सुनीता वालिया के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी कार्य से जा रहे थे। जब वे उपली चट्ठे के पास पहुंचे, तो एक अनियंत्रित छोटे हाथी ने उनके मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी भयानक थी कि मोटरसाइकिल चालक विजय वालिया की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनकी बहन सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेते हुए जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल सुनीता वालिया को तुरंत सिविल अस्पताल संगरूर पहुंचाया गया, जहां उनकी नाजुक हालत और गंभीर चोटों को देखते हुए डॉक्टरों ने शाम के समय उन्हें पटियाला के हायर सैंटर के लिए रेफर कर दिया।

चंडीगढ़ और मोहाली में बम की धमकी से मचा हड़कंप

डेली आवाज भारती



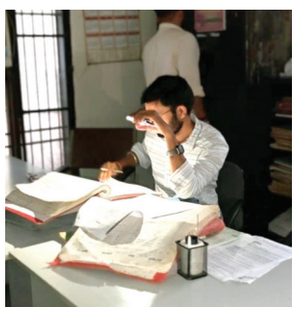
चंडीगढ़। चंडीगढ़ और मोहाली में कुछ स्कूलों तथा पंजाब विधानसभा परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद संबंधित स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई और जांच टीमों ने संभावित खतरे को देखते हुए तलाशी अभियान चलाया। सूचना मिलने पर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने एहतियाती कदम उठाते हुए संबंधित परिसरों की जांच की। बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा कर्मियों ने संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की। ऐसी धमकियों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धमकी ईमेल के माध्यम से दी गई थी। इसमें कुछ शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों का उल्लेख किया गया। पुलिस ईमेल के स्रोत, उसे भेजने वाले व्यक्ति और धमकी की वास्तविकता का पता लगाने में जुटी है।

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

घटना के बाद संबंधित स्थानों पर निगरानी बढ़ाई गई। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और बिना पुष्टि के अफवाहें न फैलाएं। ऐसी धमकियों के मामलों में जांच पूरी होने तक सतर्कता बरतना जरूरी होता है। पुलिस की जांच और आधिकारिक पुष्टि के बाद ही घटना से संबंधित सभी तथ्यों की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

माजरी सब-तहसील में 48 हजार रुपये बकाया बिल के चलते कटी बिजली, मोबाइल टॉर्च की रोशनी में काम करने को मजबूर कर्मचारी

डेली आवाज भारती







माजरीः (हरतेज सिंह तेजी) : माजरी सब-तहसील परिसर स्थित फर्द केंद्र और पटवारखाने में पिछले तीन दिनों से बिजली गुल है, जिसके चलते अपने जरूरी काम कराने आ रहे आम लोगों को भारी परेशानी और खजल-खुआरी का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 48 हजार रुपये का बिजली बिल बकाया होने के कारण बिजली विभाग ने पीछे से ही कनेक्शन काट दिया है। दफ्तरों में बिजली न होने से जहां आम जनता बेहाल है, वहीं अधिकारियों व कर्मचारियों को भी भारी दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि कर्मचारी मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर जरूरी काम निपटाने को मजबूर हैं। पिछले तीन दिनों से बिजली ठप होने की वजह से दफ्तरों में पानी की सप्लाई भी पूरी तरह बंद हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले भी दो से तीन बार इसी तरह बिजली कटने के कारण लोग परेशान हो चुके हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई स्थायी हल नहीं निकाला जा रहा।

कांग्रेस नेता ने सरकार को घेरा, कहा- अगर सरकार असमर्थ है तो हम भरेंगे बिल

इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणजीत सिंह जीती ने पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो सरकार आम लोगों के घरों के बिजली बिल शून्य (जीरो) करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी तरफ उसके अपने ही सरकारी दफ्तरों की बत्तियां गुल हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर सरकार अपने हाथ खड़े कर दे, तो कांग्रेस पार्टी और वे निजी तौर पर यह बकाया बिजली बिल भरने को तैयार हैं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

अधिकारियों का पक्षः

इस पूरे मामले को लेकर जब सब-तहसील माजरी की रजिस्ट्रार जसवीर कौर से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। उधर, बिजली विभाग के एसडीओ (स्ह्ह) ने स्पष्ट किया कि फर्द केंद्र और पटवारखाने का करीब 48 हजार रुपये का बिजली बिल काफी समय से बकाया है, जिसके चलते नियमानुसार बिजली कनेक्शन काटा गया है।

सिसवां रोड स्थित रिजॉर्ट में युवक के साथ सामूहिक कुकर्म, होटल स्टाफ के 3 कर्मचारियों पर लगे गंभीर आरोप

- नशीला पदार्थ खिलाकर बारी-बारी से किया गलत काम, होटल मैनेजर पर मामला दबाने के आरोप

डेली आवाज भारती



न्यू चंडीगढ़ (हरतेज सिंह तेजी) : मुल्लांपुर के सिसवां रोड स्थित एक रिजॉर्ट की रसोई में कार्यरत 20 वर्षीय युवक के साथ उसी होटल के 3 अन्य कर्मचारियों द्वारा सामूहिक कुकर्म (अप्राकृतिक यौनाचार) किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़ित को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोशी की हालत में बारी-बारी से उसके साथ घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित परिवार ने रिजॉर्ट मैनेजर पर मामले को दबाने और स्थानीय पुलिस पर आरोपियों का बचाव करने के गंभीर आरोप लगाते हुए मीडिया के समक्ष न्याय की गुहार लगाई है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने आरोपों को खारिज करते हुए मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने का दावा किया है। पीड़ित युवक विशाल ने बताया कि वह पिछले करीब ढाई वर्षों से सिसवां रिजॉर्ट की रसोई में काम कर रहा है। 11 अक्टूबर की शाम उसके साथी कर्मचारियों– सुजल (हिमाचल प्रदेश), मनीष (उत्तराखंड) और भूपिंदर (उत्तर प्रदेश) ने उसे भांग के पकौड़े खिला दिए, जिससे वह बेसुध हो गया। उसने आरोप लगाया कि रात करीब 10 बजे कमरे में तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ कुकर्म किया। विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपियों ने होटल मैनेजर रवि को सूचना दी, जिसने आगे पीड़ित के जीजा राजू को फोन कर मौके पर बुला लिया। जीजा विशाल को अपने घर ले गया, जहां विशाल ने पूरी आपबीती बताई। इसके बाद जब मैनेजर को घर बुलाकर पूछा गया तो उसने आरोपियों का पक्ष लेते हुए घटना से साफ इनकार कर दिया और कहा कि विशाल नशे के कारण मनगढ़ंत बातें कर रहा है। परिवार द्वारा यकीन न किए जाने से आहत होकर युवक रात को चुपके से घर से निकल गया और अगले दिन सीधे मुल्लांपुर थाने पहुंचा। पीड़ित का आरोप है कि थाने में तैनात एएसआई केसर सिंह और थाना प्रभारी अमनप्रीत सिंह ने मैनेजर की कथित मिलीभगत के चलते उनकी एक न सुनी और उल्टा धमकाकर थाने से बाहर निकाल दिया। इस दौरान पुलिस ने उसका मेडिकल तक नहीं करवाया।

फिल्लौर में भीषण सड़क हादसा, ओवरटेक करते समय भिड़ीं 2 गाड़ियां, बीच सड़क पलटी

जालंधरः जालंधर के फिल्लौर में भीषण सड़क हादसा होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि नेशनल हाईवे-44 पर ओवरटेक के दौरान बोलेरो पिकअप और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों गाड़ियां डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी लेन में जा पलटीं। हादसे में कार सवार दो लोगों में से एक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जालंधर रेफर कर दिया गया। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि बोलेरो पिकअप पलटकर चारों पहियों के बल ऊपर हो गई। टक्कर से डिवाइडर पर लगे पेड़-पौधों को भी नुकसान पहुंचा और सड़क पर कांच व वाहनों के पुर्जे बिखर गए। जानकारी के अनुसार, बोलेरो पिकअप चालक कमल जालंधर से सामान लेकर लखनऊ जा रहा था। चालक के मुताबिक, कार सवार पिछले एक-दो किलोमीटर से लगातार कट मार रहे थे। आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान कार अचानक पिकअप के सामने आ गई।

जिला बार एसोसिएशन ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरजीत सिंह खालसा का किया औपचारिक स्वागत

डेली आवाज भारती



रूपनगर, गुरप्रीत । रूपनगर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री हरजीत सिंह खालसा के पदभार संभालने के बाद जिला बार एसोसिएशन रूपनगर की ओर से उनके सम्मान में विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में वकीलों ने भाग लेते हुए सत्र न्यायाधीश का औपचारिक स्वागत किया। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजिंदर सिंह राजू और बार के अन्य सदस्यों ने श्री हरजीत सिंह खालसा को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान वकील समुदाय के प्रतिनिधियों ने सत्र न्यायाधीश का स्वागत किया और उनके साथ अपने विचार साझा किए। समारोह को संबोधित करते हुए जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजिंदर सिंह राजू के अलावा श्री जी.पी.एस. ढेर, श्री सूरजपाल सिंह, श्री चरणजीत सिंह घई, श्री तारा सिंह चहल और अन्य वकीलों ने श्री हरजीत सिंह खालसा का रूपनगर में पदभार संभालने पर स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि बार और बेंच के बीच आपसी तालमेल एवं सहयोग से न्याय प्रक्रिया को और अधिक सुचारु बनाने में मदद मिलेगी। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री हरजीत सिंह खालसा ने बार एसोसिएशन के सदस्यों के साथ अपने विचार साझा किए। उन्होंने अपने स्वागत और सम्मान के लिए बार एसोसिएशन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

पंजाब विजिलेंस ने बिक्रम मजीठिया के खिलाफ 40,000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की



डेली आवाज भारती

मोहाली (पंजाब), पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मोहाली की एक विशेष अदालत में, आय से अधिक संपत्ति के मामले में शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ लगभग 40,000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस चार्जशीट में मजीठिया और उनके सहयोगियों के वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों और संपत्तियों से जुड़े सबूत शामिल हैं। यह घटनाक्रम अकाली नेता के खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाही में एक अहम कदम है। उन पर अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। पेश किए गए सबूतों और अदालती कार्यवाही के अगले चरण के बारे में फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

हरिद्वार आरटीओ ने 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' की 3 बसें रोकीं



चंडीगढ़। हरिद्वार आरटीओ ने 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' योजना की 3 बसें रोक दी हैं। आरोप है कि ये बसें बिना जरूरी परमिट के चल रही थीं और इनमें सुरक्षा के भी उचित इंतजाम नहीं थे।

पुलिस और निहंग सिखों के बीच झड़प के बाद, 35 वर्षीय व्यक्ति का शव मानसा से एम्स बठिंडा भेजा गया

मानसा। देर शाम पुलिस ने 35 वर्षीय एक युवक के शव को मानसा से एम्स बठिंडा भेज दिया। मृतक की पहचान दलजीत सिंह के रूप में हुई है, जिसकी तीन युवकों ने हत्या कर दी थी। निहंग सिख शव को भम्मे कलां से मानसा में धरने वाली जगह पर ले जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया।

किस केस में फंस गए नालागढ़ के पूर्व विधायक केएल ठाकुर के बेटे?, एफआईआर दर्ज, देखें मामला

एनएच-105 के छह पुलों के निर्माण में फर्जी एम-फॉर्म का आरोप, गणपति भारत प्राइवेट लिमिटेड भी नामजद

डेली आवाज भारती



नालागढ़/सोलनः हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नालागढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग-105 (NH-105) पर छह पुलों के निर्माण के लिए खनन सामग्री की आपूर्ति में कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। बद्दी पुलिस ने इस मामले में नालागढ़ के पूर्व विधायक केएल ठाकुर के बेटे अंचित ठाकुर, गणपति भारत प्राइवेट लिमिटेड और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

मामला कथित तौर पर फर्जी एम-फॉर्म और ट्रांजिट पास के इस्तेमाल से जुड़ा है, जिनके जरिए निर्माण कार्य के लिए स्टोन क्रशर से सामग्री की आपूर्ति किए जाने का आरोप है। इस प्रकरण ने अब राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। पूर्व विधायक केएल ठाकुर ने अपने परिवार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए कहा है कि वे पहले ही इस मामले की जानकारी पुलिस को दे चुके हैं। वहीं, नालागढ़ के विधायक हरदीप बावा ने कहा कि सरकार और पुलिस मामले की जांच कर रही हैं तथा दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मामला आरटीआई कार्यकर्ता मोहन लाल शर्मा की शिकायत के बाद सामने आया। उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि ठाकुर रुहानी स्टोन क्रशर से निर्माण सामग्री की आपूर्ति के लिए कथित फर्जी एम-फॉर्म और ट्रांजिट पास का इस्तेमाल किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि यह सामग्री ह्ब्-105 पर छह पुलों के निर्माण कार्य में लगी गणपति भारत प्राइवेट लिमिटेड को उपलब्ध करवाई गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर मामले की जांच करवाई गई। परवाणू के डीएसपी अनिल शर्मा ने इस प्रकरण की जांच की। जांच के दौरान खनन विभाग की सत्यापन रिपोर्ट, जीएसटी रिकॉर्ड, बैंकिंग लेन-देन, रनिंग अकाउंट बिल और अन्य संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की गई। जांच के बाद 24 अक्तूबर को पुलिस थाना नालागढ़ में एफआईआर दर्ज की गई। बद्दी के एसपी विनोद धीमान ने मामले में एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की है। इस मामले में सबसे गंभीर पहलू कथित तौर पर बड़ी संख्या में फर्जी एम-फॉर्म और ट्रांजिट पास के इस्तेमाल का है। शिकायतकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया है कि कुल 2418 फर्जी फॉर्म तैयार किए गए थे। इससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये की रॉयल्टी का नुकसान होने का दावा किया गया है। जांच से जुड़े दस्तावेजों में अलग-अलग तारीखों के रनिंग अकाउंट बिलों के आधार पर लंबे समय तक खनन सामग्री के परिवहन से संबंधित दस्तावेजों के इस्तेमाल का संकेत मिलने की बात सामने आई है। हालांकि, कथित फर्जी फॉर्म की संख्या, वास्तविक वित्तीय नुकसान, रॉयल्टी की देनदारी और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका का अंतिम निर्धारण जांच तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होना है। शिकायतकर्ता के आरोपों को अभी न्यायिक रूप से प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता।

CMYK